www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 305 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
31 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:53
सूर्यास्त: 05:47
अधिकतम: 21°00
न्यूनतम: 10°00

पेज 07

विशेष समाचार | यूजीसी प्रकरण : उच्च शिक्षण ... >> पेज 04 | महिला का मर्डर, लाश कुएं में... >> पेज 06 | 'डोन्ट बी शाय'...

आज शाम 5 बजे शपथ संभव, एनसीपी नेता फडणवीस से मिले, अजित के विभाग मांगे

सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम बनेंगी

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई/पुणे । अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम बनने के लिए राजी हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक शनिवार को NCP के विधायक दल की बैठक के बाद इसका ऐलान किया जाएगा। शाम 5 बजे शपथ ले सकती हैं। अजित की प्लेन क्रैश में मौत के बाद उपमुख्यमंत्री पद खाली हो गया है। अजित के पास वित्त, आबकारी और खेल विभाग के साथ-साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर का पद भी था। सूत्रों के मुताबिक वित्त मंत्रालय सीएम फडणवीस के पास ही रह सकता है। डिप्टी सीएम, विभागों को लेकर शुक्रवार सुबह फडणवीस से मिलने उनके घर वर्षा बंगले पहुंचे। >> (शेष पेज 06 पर)

- यह भी दावा भी किया जा रहा है कि अजित पवार एनसीपी के दोनों गुट के जिस मर्जर पर बातचीत कर रहे थे, उस पर आखिरी फैसला शरद पवार लेंगे।
- एनसीपी शरद गुट के नेता एकनाथ खड़से ने न्यूज एजेंसी एनआई से कहा है कि एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आएंगे। मर्जर तय हो चुका था।

अजित की जगह सीएम फडणवीस पेश कर सकते हैं बजट

अजित के निधन के बाद अब लगभग यह तय है कि महाराष्ट्र का वित्त विभाग फिलहाल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास रहेगा और मार्च में CM ही महाराष्ट्र का बजट पेश करेंगे। जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे तब उपमुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस के पास गृह और वित्त दोनों महत्वपूर्ण विभाग थे। फडणवीस ने 9 मार्च 2023 को महाराष्ट्र राज्य का बजट भी पेश किया था। जुलाई 2023 में जब अजित पवार महायुति सरकार में शामिल हुए तब वित्त मंत्रालय फडणवीस ने अजित पवार को सौंप दिया था। वे 23 फरवरी को राज्य का बजट पेश करने वाले थे। >> (शेष पेज 06 पर)

- अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार ने नरेश अरोड़ा को राजनीतिक सलाह के लिए बारामती बुलाया है। नरेश, अजित पवार के चुनावी रणनीतिकार हैं। उनकी संस्था 'डिजाइनबॉक्स' एनसीपी के लिए काम करती है।
- 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समिति के लिए मतदान अब 5 फरवरी के बजाय 7 फरवरी को होगा। रिजल्ट 9 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

प्रफुल्ल पटेल बोले- सीएम जल्दी फैसला लें

CM देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद एनसीपी के नेता प्रफुल्ल पटेल ने मीडिया से कहा, 'हमने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को साफतौर पर बता दिया है कि जनभावना को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द फैसला लेना जरूरी है।' प्रफुल्ल ने कहा, 'हमारी मांग है कि अजित के पोर्टफोलियो और NCP से जुड़े फैसलों को लेकर कोई अनिश्चितता नहीं होनी चाहिए। राज्य की मौजूदा स्थिति कार्यकर्ताओं के असंतोष और जनता की भावनाओं को देखते हुए बिना देरी ठोस निर्णय लेना जरूरी है।' नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के नेता छगन भुजबल ने कहा, 'हम मुख्यमंत्री से मिलने गए थे, जैसा कि आप जानते हैं, जब किसी की मौत हो जाती है, तो कभी-कभी शोक तीन दिन तक चलता है, कभी दस दिन तक, इस दौरान लोग बाहर नहीं निकलते। मुझे ऐसे सभी रीति-रिवाजों की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन इन मामलों पर विचार किया जा रहा है। सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी अपनी राय दे रहे हैं। किसी भी हाल में, अगले दो-तीन घंटों में फैसला ले लिया जाएगा।' विलय के बाद NCP के पास 9 लोकसभा सांसदों और 51 विधायकों का एक मजबूत संयोजन होगा, जो संभावित रूप से सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन या विपक्षी महाविकास अघाड़ी के भीतर संतुलन बदल सकता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- स्कूलों में लड़कियों को फ्री सैनेटरी पैड मिले

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया कि हर स्कूल में लड़कियों को फ्री में सैनेटरी पैड बांटना अनिवार्य होगा। लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग वॉशरूम बनाने होंगे। जो स्कूल ऐसा नहीं कर पाएंगे, उनकी मान्यता रद्द की जाएगी।

इसके साथ ही कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि हर स्कूल में दिव्यांगों के अनुकूल (डिसेबल फ्रेंडली) टॉयलेट बनाए जाएं। केंद्र सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता नीति को पूरे देश में लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में पिछले 4 सालों से सुनवाई चल रही थी। कोर्ट ने आज सिर्फ फैसला सुनाया है। सोशल वर्कर जया ठाकुर ने 2022 में एक जनहित याचिका लगाई थी। उनकी मांग थी कि मेन्स्ट्रुयल हाइजीन पॉलिसी को पूरे देश में लागू किया जाए।

असम में 64-लाख घुसपैठिए 7 जिलों में इनका बहुमत : शाह

कांग्रेस ने राज्य को बंदूक-गोली, संघर्ष और युवाओं की मौत के अलावा क्या दिया

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी । गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम में बदलती डेमोग्राफी पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। गृह मंत्री ने कहा, मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि उनकी पार्टी ने असम को बंदूकें, गोलियों, संघर्ष और युवाओं की मौत के अलावा क्या दिया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान असम में घुसपैठियों की आबादी शून्य से बढ़कर 64 लाख हो गई और सात जिलों में घुसपैठिए बहुमत में हो गए। मोदी सरकार राज्य में डेमोग्राफिक

- शाह बोले- असम की चाय यूरोपीय देशों में भेजी जाएगी

ट्रेंड को उलटने का काम कर रही है। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर नॉर्थईस्ट का अपमान करने का भी आरोप लगाया। >> (शेष पेज 06 पर)

असम से राज्यसभा सांसद रहे मनमोहन सिंह भी काम नहीं कर पाए

केंद्रीय गृह मंत्री ने असम में घुसपैठियों को बसने से रोकने में मिसिंग समुदाय की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, घुसपैठ को रोकना मिसिंग समुदाय की जिम्मेदारी है। आपको बंदूक उठाने की जरूरत नहीं है।

डिब्रूगढ़ और धेमाजी को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी पर बोगीबील पुल के बारे में बात करते हुए, शाह ने कहा कि यह पूरी दुनिया के सामने भारत की प्रगति का प्रतीक है। >> (शेष पेज 06 पर)

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

275 यात्री थे, सऊदी जाते वक्त तकनीकी खराबी आई

दिक्कत

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी अरब जा रहे एक विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग कराई

गई। उड़ान के कुछ समय बाद विमान में तकनीकी दिक्कत आ गई थी। >> (शेष पेज 06 पर)

यह विमान सऊदिया अरबिया एयरलाइंस का था। फ्लाइट नंबर एसवी-891 जेद्दा जा रही थी। विमान में 275 यात्री, 4 पायलट और 6 क्रू मेंबर सवार हैं।

तकनीकी खराबी दूर की जा रही

जानकारी के मुताबिक, विमान का तय समय दोपहर 12:05 बजे था, लेकिन यह 12:23 बजे उड़ान भर सका। दोपहर करीब 1:45 बजे विमान को बीच रास्ते से वापस लाना पड़ा। यात्रियों को विमान से उतारा नहीं गया। इंजीनियरों ने तकनीकी खराबी दूर कर दी। विमान शाम 4:20 बजे जेद्दा के लिए रवाना हुआ।

फास्ट न्यूज

कश्मीर के सोनमर्ग में पारा माइनस 1.2डिग्री सेल्सियस

शिमला/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर/देहरादून। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण भीषण सर्दी पड़ रही है। अधिकांश जगहों पर गुरुवार रात में न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री से नीचे चला गया। सोनमर्ग सबसे ठंडी जगह रही।

शिकायत अरेस्ट

देहरादून में दो कश्मीरी युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप

देहरादून । देहरादून में कश्मीरी युवकों से हुई मारपीट के 48 घंटे बाद आज आरोपी दुकानदार की पत्नी ने युवकों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला ने विकासनगर थाने पहुंचकर कश्मीरी युवकों पर हाथ पकड़ने और गंदे इशारे करने के आरोप भी लगाए हैं। महिला ने शिकायत में कहा है कि वह दुकान पर थी, तभी दो युवक आए और सामान मांगा, लेकिन दूसरी भाषा में बात करने को लेकर उसने सामान देने से मना कर दिया। आरोप है कि मना करने के बाद दोनों युवक दुकान के अंदर घुस आए, उसका हाथ जोर से पकड़ लिया।

पालतू कुत्ते का महिला पर हमला

बेंगलुरु । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मॉर्निंग वॉक के दौरान एक महिला पर पालतू कुत्ते ने जानलेवा हमला कर दिया। उनकी गर्दन, चेहरे, हाथों और पैरों पर काट लिया। साथ ही महिला को बचाने आए एक युवक पर भी हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

योगी 40 दिन में हिंदू होने का प्रमाण दें : अविमुक्तेश्वरानंद

अविमुक्तेश्वरानंद सरकार पर तीखे हमले कर रहे

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। प्रयागराज माघ मेला छोड़ने के बाद शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरकार पर तीखे हमले कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मुझसे शंकराचार्य होने का प्रमाण पत्र मांगा गया। मैंने वह दे दिया। मेरे प्रमाण सच्चे थे, इसलिए उन्हें मानना पड़ा। अब प्रमाण मांगने का समय पीछे छूट गया। अब मुख्यमंत्री को अपने हिंदू होने का प्रमाण देना चाहिए। उन्होंने कहा-हम आपको 40 दिन का समय दे रहे। इन दिनों में आप गो-भक्त होने का प्रमाण दीजिए। अगर प्रमाण नहीं दे पाते, तो

- गाय को गोमाता घोषित करें योगी वरना मानेंगे सिर्फ दिखावे के लिए गेरुआ पहना - अविमुक्तेश्वरानंद

समझा जाएगा कि आप नकली हिंदू, कालनेमि, पाखंडी और ढोंगी हैं। सिर्फ दिखावे के लिए आपने गेरुआ वस्त्र धारण किया है। >> (शेष पेज 06 पर)

यूपी के मंत्री अब 50 करोड़ तक खर्च कर सकेंगे

लखनऊ । यूपी सरकार ने मंत्रियों की फाइनेंशियल पावर बढ़ा दी है। अब मंत्री 50 करोड़ तक के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे सकते हैं। पहले यह लिमिट सिर्फ 10 करोड़ तक थी। इसके अलावा 50 करोड़ से 150 करोड़ तक के प्रोजेक्ट्स की मंजूरी वित्त मंत्री देंगे। 150 करोड़ से अधिक की मंजूरी सीएम देंगे।

सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी बड़ा तोहफा दिया है। अब उनका मानदेय यानी सैलरी हर महीने फिक्स डेट पर आएगी। यूपी सरकार केंद्र से आने वाले हिस्से का इंतजार नहीं करेगी। राज्य सरकार अपने बजट से समय पर भुगतान करेगी, ताकि किसी को देरी का सामना न करना पड़े। सीएम योगी ने शुक्रवार को वित्त विभाग की हाईलेवल समीक्षा की। इसमें यूपी में विकास की रफ्तार और तेज करने के लिए बड़े फैसले लिए गए।

राजस्थान साध्वी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद समाधि

पिता बोले- गलत इंजेक्शन से गई, जान भक्तों ने पिता पर ही सवाल उठाए

तमसा संकेत, एजेंसी

बाड़मेर । राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा (23) की विवादित मौत के बाद आज उन्हें समाधि दी गई। बाईसा को बुधवार को जोधपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। कुछ मिनटों बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया था। प्रेम बाईसा के पिता वीरमनाथ का दावा है कि उन्हें केवल मामूली जुकाम था। जोधपुर के ही आश्रम में उन्हें एक इंजेक्शन लगाया गया था, इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हॉस्पिटल में मौत के बाद उनका एक कथित सुसाइड नोट सामने आया था। >> (शेष पेज 06 पर)

साध्वी ने कहा था- मैं अग्निपरीक्षा के लिए तैयार

तत्कालीन पुलिस अधिकारियों ने कहा था कि आरोपियों ने बाप-बेटी के रिश्ते को गलत तरीके से पेश कर साध्वी की छवि को धूमिल किया। साध्वी ने उस समय कहा था - इन लोगों ने भगवे पर कलंक लगाया है। >> (शेष पेज 06 पर)

साध्वी के पुराने साथियों की गिरफ्तारी

मामले की जांच के बाद पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें साउंड सिस्टम लगाने का काम करने वाला जोगेंद्र उर्फ जोगाराम (29), पूर्व ड्राइवर रमेश, कृष्णा (जोगेंद्र की पत्नी) और दो अन्य लोग शामिल थे।

साध्वी ने आरोप लगाया था कि जोगेंद्र ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे से इसे निकाला था। इसके बाद उसने और उसके साथियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की मांग की। >> (शेष पेज 06 पर)

बुद्ध की शांति भूमि से विकास का संदेश

सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन, पिपरहवा से शांति और विकास का संदेश

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा मा0 सांसद डुमरियागंज श्री जगदम्बिका पाल, मा0 विधायक कपिलवस्तु श्री श्याम धनी राही, क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर क्षेत्र श्री सहजानन्द राय, जिलाध्यक्ष भाजपा श्री कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के साथ द्वीप प्रज्ज्वलित कर एवं मॉ सरस्वती एवं गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 के तीसरे दिन का शुभारम्भ किया गया।

मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 के कार्यक्रम में आने का मौका मिला और पिपरहवा स्तूप का दर्शन करने का सौभाग्य मिला। आप सभी का धन्यवाद। यह सबसे बड़ा बौद्ध तीर्थ स्थल है। पूरे विश्व में सबसे अधिक पूजा गौतम बुद्ध की होती है। गौतम बुद्ध ने शान्ति और अंहिसा का ज्ञान दिया। बुद्ध कल भी प्रासंगिक थे । सिद्धार्थनगर के विकास के लिए सरकार का खजाना समर्पित है। भगवान बुद्ध के अवशेष को मेरे नेतृत्व में रूस भेजा गया था। यह अवशेष पिपरहवा में खुदाई से निकले थे। मै प्रयास करूंगा कि उसका अंश पिपरहवा में रखा जाये। बुद्ध के अनुयायी यहां पर दर्शन करने आयेगे। सिद्धार्थनगर का विकास कपिलवस्तु का विकास कोई रोक नही पायेगा। बुद्ध से जुड़े स्थानों को सड़क, रोड और हवाई मार्ग से जोड़ने का काम किया जा रहा है। विश्व में सबसे अधिक पर्यटक उ0प्र0 में आते है। पिपरहवा के लिए प्रयास किया जायेगा जिससे यहां पर अधिक से अधिक पर्यटक आये। 2047 तक विकसित भारत, विकसित उ0प्र0 बनेगा। आप लोग आगे बढ़िये, प्रधानमंत्री जी ने यूरोप के बाजार आपके लिए खोल दिया है। भारत विश्व गुरू बनेगा। सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 के भव्य आयोजन हेतु जिलाधिकारी एवं आयोजन टीम को बधाई और शुभकामनाएं दिया।

> जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य को बुके देकर स्वागत किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षक/शिक्षिकाओ द्वारा सरस्वती बन्दना प्रस्तुत किया गया तथा शिवपति इन्टर कालेज शोहरतगढ़ के छात्राओं द्वारा लोकगीत प्रस्तुत किया गया।

2026 का महोत्सव ऐतिहासिक

मा0 सांसद डुमरियागंज श्री जगदम्बिका पाल ने मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत करते हुए कहा कि 2026 का महोत्सव ऐतिहासिक महोत्सव है। आज गौतम बुद्ध की धरती के लिए सौभाग्य का दिन है

मा0 विधायक कपिलवस्तु श्री श्यामधनी राही ने मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत करते हुए कहा कि आज आपके द्वारा पिपरहवा में स्तूप पर जाकर पूजा की गयी। तथा भन्तेगणों से संवाद किया तथा उन्हें सम्मानित किया गया।

क्षेत्रीय अध्यक्ष गोरखपुर श्री सहजानन्द राय ने कहा कि प्रदेश के सभी जनपदों मे महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को बड़े मंच पर पहुँचने का अवसर मिल रहा है। स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिल रहा है। श्री कन्हैया पासवान ने मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य तथा अन्य सभी का स्वागत किया। मा0 उपमुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री केशव प्रसाद मौर्य ने पिपरहवा में पहुँचकर स्तूप पर पूजन किया है।

आगे भी प्रासंगिक रहेंगे

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज भी हैं और आगे भी प्रासंगिक रहेंगे। मा0 प्रधानमंत्री जी कहते है हमने संसार को बुद्ध दिया है युद्ध नही। काला नमक चावल गौतम बुद्ध ने काला नमक चावल प्रसाद के रूप में दिया है। जिसकी पैकेजिंग कर पूरे विश्व में भेजा जा रहा है। डबल इंजन की सरकार में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ काम कर रही है। 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। महिलाओ का सश्क्तिकरण होगा। युवाओं को रोजगार मिलेगा। विकास की झांकी दिखाई दे रही है। सिद्धार्थनगर को अग्रणी जनपद बनने से कोई नही रोक सकता है।

- सिद्धार्थनगर-कपिलवस्तु के समग्र विकास को नई गति
- बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक चेतना का संगमः सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026
- पिपरहवा स्तूप बना आस्था और पर्यटन का वैश्विक केन्द्र
- लोक संस्कृति, परंपरा और विकास की झलक

फास्ट न्यूज

महिला तस्कर गिरफ्तार

मोहनलालगंज । आलमबाग पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ अभियान में एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 750 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। आरोपी महिला को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष के अनुसार, चौकी मवैया प्रभारी धीरज यादव, उप निरीक्षक अभिनन्दन अग्रहरि, कांस्टेबल मनजीत देशवाल, महिला कांस्टेबल अंजली सिंह और रूपाली की टीम गश्त पर थी।

बिजनौर में कपड़ा व्यवसायी के बेटे ने फांसी लगाई

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक कपड़ा व्यवसायी के 34 वर्षीय बेटे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिजनौर के कटरा निवासी साहबदीन की बिजनौर बाजार में शेखर वस्त्रालय नाम से कपड़े की दुकान है। दुकान का संचालन साहबदीन के अलावा उनके बेटे चंद्रभान और शेखर भी करते थे। गुरुवार रात चंद्रभान अचानक अपने घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में चले गए।

'कर निरीक्षक निजी व्यक्तियों से करा रहे उगाही'

लखनऊ। लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार और जलकल महाप्र-बंधक कुलदीप सिंह को एक पत्र जारी किया है। प्रॉपर्टी टैक्स और जलकर वसूली में सामने आ रही अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मेयर ने पत्र में नाराजगी जताते हुए कहा कि विभिन्न जोनों में कर निरीक्षक खुद फील्ड में नहीं जा रहे, बल्कि निजी व्यक्तियों के माध्यम से काम करा रहे हैं।

नरेंद्र कश्यप का दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण पर राजस्थान दौरा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत अन्य राज्यों की सफल योजनाओं का अध्ययन किया जा रहा है। इसी क्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने 28 से 30 जनवरी 2026 तक राजस्थान का दौरा किया, जहाँ उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण से संबंधित योजनाओं और नवाचारों की समीक्षा की। जयपुर में प्रमुख सचिव एवं निदेशक स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक में कृत्रिम अंग, पुनर्वास और तकनीकी सहायता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, साथ ही उत्तर प्रदेश की योजनाओं से तुलना भी की गई। मंत्री कश्यप ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शिष्टाचार भेंट की और विधानसभा की कार्यप्रणाली तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर चर्चा की।

- कल्याण और तकनीकी सहायता योजनाओं का अध्ययन, यूपी से तुलना

उन्होंने जयपुर स्थित 'भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति' का स्थलीय निरीक्षण किया, जहाँ दिव्यांगजनों को उच्च गुणवत्ता के कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और पुनर्वास सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

मंत्री कश्यप ने बताया कि राजस्थान भ्रमण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के कल्याण, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा के लिए संचालित योजनाओं को और बेहतर बनाने हेतु एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि हर दिव्यांग नागरिक सशक्त और आत्मनिर्भर बन सके।

योगी ने जमीन पर बैठकर सुना भजन

दीप दान किया, वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे, भजन पर लखनऊ में झूमे

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद स्मारक स्थल, महात्मा गांधी मार्ग पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसमें शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। जमीन पर बिछाए गए आसन पर बैठकर लोगों के साथ भजन सुना। गोमती नदी में दीप दान किया। कार्यक्रम में शामिल बसंत लाल वर्मा ने कहा- आज महात्मा गांधी की पुण्यतिथि है। हम लोग एक साथ एकत्रित होकर उन्हें याद कर रहे हैं। लाठी लेकर चलने वाले दुबले-पतले महात्मा गांधी के पीछे दुनिया के हजारों लोग एक साथ चल देते थे। आज उनकी फिर जरूरत है। दुनिया युद्ध की विभिषिका में इस समय पड़ी हुई है, उनको बचाने के लिए केवल एक ही रास्ता है। सत्य और अहिंसा का रास्ता। गांधी परिवार के सदस्य ज्ञानी त्रिवेदी ने कहा- आज सत्य और अहिंसा व विश्व बंधुत्व का संदेश देने का दिन है। महात्मा गांधी की शहादत का दिन है। आज महात्मा गांधी हमारे बीच नहीं हैं।

उनके विचारों और क्रियाओं को पूरे विश्व में पहुंचाने का समय है। गांधी जी की राह पर ही चलकर विश्व में मची उथल-पुथल को दूर किया जा सकता है। गांधी जी ने स्वदेशी को पुनः स्थापित किया था। करुणेश राय ने कहा कि आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियां शायद ही मानें कि हाड़-मांस का ऐसा कोई व्यक्तित्व भी था। गांधी जी की शिक्षाओं को आज के बच्चों और युवाओं को जरूर पढ़ना और सीखना चाहिए। गांधी की शिक्षा पूरे समाज में बताने की आवश्यकता है। गांधी जी तो अमर हैं ही, उनका कद लगातार बढ़ता जा रहा है।

महात्मा गांधी के भजनों पर झूमे

वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे, वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। रघुपति राघव राजा राम सहित महात्मा गांधी के अन्य पसंददीदा भजनों को सुना। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ, मंत्री राकेश सचान, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक जय देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहीं।

भुवनेश्वर में एक दिवसीय आलू प्रदर्शनी एवं बायर - सेलर मीट आयोजित

उड़ीसा में यूपी के आलू के विपणन को बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उड़ीसा राज्य में उत्तर प्रदेश के आलू के विपणन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उद्यान विभाग, उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हाफेड) के संयुक्त तत्वावधान में भुवनेश्वर स्थित होटल द प्रेसीडेंसी में एकदिवसीय आलू प्रदर्शनी एवं बायर–सेलर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह तथा उड़ीसा सरकार के उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उड़ीसा राज्य से कलुंगे गोरख वामन, धारित्री मिश्रा (एसएजी), जनरल मैनेजर (ओएसएएम बोर्ड) तथा उत्तर प्रदेश से डॉ. सर्वेश कुमार (प्रबंध निदेशक, हाफेड), डॉ. राजीव कुमार वर्मा (संयुक्त निदेशक, शाकभाजी), एस.के. सुमन (नोडल अधिकारी, हाफेड) सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के 11 आलू उत्पादक किसान तथा उड़ीसा राज्य के 47 आलू व्यापारियों, निर्यातकों एवं प्रसंस्करण इकाइयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

> उड़ीसा के उप मुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने उत्तर प्रदेश एवं उड़ीसा के मध्य आलू व्यापार को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उड़ीसा के व्यापारियों से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश जाकर सीधे आलू उत्पादक किसानों से खरीद करें, जिससे उड़ीसा के उपभोक्ताओं को वर्षभर उचित मूल्य पर आलू की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

उत्तर प्रदेश देश का प्रमुख आलू उत्पादक राज्य

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश का प्रमुख आलू उत्पादक राज्य है, जहां देश के कुल आलू उत्पादन का लगभग 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्ष 2025–26 में लगभग 6.98 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 245.94 लाख मीट्रिक टन आलू उत्पादन संभावित है। प्रदेश का लगभग 60 प्रतिशत आलू आगरा, अलीगढ़, मेरठ एवं कानपुर मंडल के 10 जनपदों में उत्पादित होता है। उन्होंने कहा कि कुफरी बहार, कुफरी बादशाह, कुफरी सिन्दूरी, कुफरी पुखराज, कुफरी चिप्सोना एवं फ्राईसोना जैसी प्रजातियां दूरस्थ विपणन एवं प्रोसेसिंग के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं, जिससे उड़ीसा के व्यापारियों को सीमित क्षेत्र से ही आवश्यकतानुसार उच्च गुणवत्ता का आलू सुगमता से उपलब्ध कराया जा सकता है।

व्हाइट ड्रेस कोड अभियान में उमड़ा पत्रकारों का जनसैलाब

एकता की मजबूत मिसाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सामने आयोजित व्हाइट ड्रेस कोड अभियान में आज बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों की प्रभावशाली भागीदारी देखने को मिली। यह अभियान उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति (पुनर्गठन) एनेक्सी मीडिया सेंटर के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार प्रभात त्रिपाठी द्वारा संचालित किया गया, जिसने पत्रकार एकता का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने सफेद वस्त्र धारण कर यह स्पष्ट कर दिया कि पत्रकार समाज केवल कलम की ताकत से ही नहीं, बल्कि आपसी एकजुटता से भी अपनी अलग पहचान रखता है। सफेद ड्रेस कोड को पारदर्शिता, निष्पक्षता और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया गया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार साथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर अभियान को सफल बनाया। प्रमुख रूप से परम जीत सिंह, शाश्वत त्रिपाठी, गुरमीत कौर और हिमांशु भटनागर सहित अनेक पत्रकार साथियों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने सभी सहभागी पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि यह एकता पत्रकार समाज की ताकत है और ऐसे प्रयास भविष्य में पत्रकारों की गरिमा व पहचान को और सशक्त करेंगे।

मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह की बीजेपी विधायक बृजभूषण से बहस

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में सियासी हलचल देखने को मिली। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को भाजपा विधायक के विरोध का सामना करना पड़ा। चरखारी के भाजपा विधायक ने जब मंत्री से कड़े सवाल पूछे तो कार्यकर्ताओं ने भी हंगामा शुरू कर दिया। ऐसे में मंत्री और विधायक के सुरक्षाकर्मियों के बीच भी तनातनी शुरू हो गई।

बुंदेलखंड में जल जीवन मिशन की क्या स्थिति है, इसकी तस्वीर खुद भाजपा के चरखारी विधायक ने सामने ला दी। हालात यह हुए कि सरकार के ही दो नुमाइंदों में विवाद हो गया। उप्र के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शुक्रवार को महोबा पहुंचे। वह शहर के रामश्री महावि-द्यालय में आयोजित एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) के युवा उद्घोष कार्यक्रम में हिस्सा लेकर लौट रहे थे। तभी चरखारी के भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत ने करीब 100 प्रधानों व समर्थकों सहित उनका काफिला रोक लिया।

सुरक्षाकर्मी भी आपस में भिड़े

विधायक ने मंत्री से कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कोई काम नहीं हुए है और 40 से अधिक गांवों की सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है। जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। इस पर नोंकझोंक हुई और मंत्री ने कहा कि जिन गांवों में समस्या है वह उन गांवों में जाएंगे और दोषी अधिकारियों को सस्पेंड किया जाएगा। पुलिस कर्मियों की समर्थकों से तीखी बहस हुई। दोनों के सुरक्षाकर्मियों में भी तनातनी शुरू हो गई। पुलिस अधिकारियों को स्थिति संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। प्रभारी निरीक्षक शहर कोतवाली मनीष पांडेय से विधायक समर्थक भिड़ गए। विधायक और मंत्री कार में बैठे और उनके बीच वार्ता हुई। विधायक ने अपने समर्थकों से कलेक्ट्रेट जाने के लिए कहा। हालांकि साथ में मौजूद एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर व अधिकारियों ने विधायक व मंत्री से बात की। इसके बाद सभी लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। मंत्री से विधायक समर्थकों ने जमीनों पर कब्जा की बात कही।

किन्नर से शादी करके लाखों के गहने-नकदी लेकर फरार

लखनऊ । लखनऊ के मदेयगंज इलाके में किन्नर से शादी कर साथ रहने वाला युवक उसके जेवर लेकर फरार हो गया। पीड़ित सानिया उर्फ सनी किन्नर ने आरोपी मारूफ पर धोखाधड़ी और चोरी का आरोप लगाया है। मदेयगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

पीड़ित सानिया ने बताया मेहंदी टोला अलीगंज निवासी मारूफ ने उससे शादी की थी। उसी के साथ रह रहा था। वह स्कूटी से पीड़ित को काम पर छोड़ने और लाने जाया करता था। दोनों के बीच भरोसे का रिश्ता बना हुआ था। सानिया ने बताया- 21 जनवरी की सुबह करीब 9 बजे मैं काम के लिए घर से निकली, तभी एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने बताया कि मारूफ ने किसी और महिला से निकाह कर लिया है। जल्द ही विदेश भागने की तैयारी में है। घबराकर मैंने मकान मालिक को फोन किया, लेकिन फोन बंद मिला। दोपहर करीब 1 बजे जब वह घर लौटी तो देखा कि मारूफ घर से गायब है।

निरीक्षण : लखनऊ नगर आयुक्त ने जोन ऑफिस का निरीक्षण किया

गैर हाजिर कर्मचारियों का वेतन काटने का आदेश

- बोले- टैक्स वसूली बढ़ाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को जोन-5 ऑफिस का औचक निरीक्षण किया। सुबह 11 बजे तक कई कर्मचारी ऑफिस में उपस्थित नहीं थे। इस गंभीर लापरवाही पर नगर आयुक्त ने खुद अटेंडेंस रजिस्टर की जांच की और अनुपस्थित कर्मचारियों के नाम के सामने एब्सेंट दर्ज किया। साथ ही, एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए।

निरीक्षण के दौरान ऑफिस भवन की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। कई जगहों पर दीवारें जर्जर हो चुकी थीं, प्लास्टर उखड़ रहा था और रख-रखाव की स्थिति कमजोर नजर आई। नगर आयुक्त ने इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए जोनल अधिकारी को तुरंत मरम्मत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा- कार्यालय परिसर में जर्जर दीवारों की मरम्मत शीघ्र कराई जाए, ताकि कर्मचारियों और आने-जाने वाले नागरिकों को सुरक्षित व बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही, कार्यालय की स्वच्छता, रख-रखाव और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

टैक्स को लेकर समीक्षा बैठक करते नगर आयुक्त।

टैक्स वसूली को लेकर निर्देश दिए

इसके बाद नगर आयुक्त ने जोन-5 की टैक्स वसूली व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संपत्ति कर (हाउस टैक्स) की वसूली प्रगति, बकाया राशि और लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि की विस्तृत जानकारी ली गई। म्यूटेशन (नामांतरण) से जुड़ी लंबित फाइलों की पेंडेंसी पर भी चर्चा हुई।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का जल्द निस्तारण किया जाए और अनावश्यक देरी बिल्कुल न बर्दाश्त की जाए। गौरव कुमार ने टैक्स वसूली को नगर निगम की आर्थिक मजबूती से जोड़ते हुए कहा राजस्व वृद्धि शहर के विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी है।

डीएम की अध्यक्षता में सम्हरिया चौराहे पर हुआ कार्यक्रम, सभी तहसीलों में अभियान सफल

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

आयोजन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर। प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपद अंबेडकर नगर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में माह के 30वें दिन शुक्रवार को टांडा तहसील क्षेत्र के सम्हरिया चौराहे पर वृहद हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लगभग 2000 हेलमेट वितरित किए गए।

टांडा में आयोजित कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी टांडा, क्षेत्राधिकारी टांडा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सौरभ सिंह, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट टांडा के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी, यातायात उप निरीक्षक जय बहादुर यादव सहित परिवहन और पुलिस विभाग के अन्य स्टेकहोल्डर विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित रखा गया।

हेलमेट वितरण के दौरान आमजन को सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों की जानकारी दी गई। बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने से दुर्घटना की स्थिति में जान बचने की संभावना अधिक रहती है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा के अन्य महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी गई। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने, रेड लाइट जंपिंग से बचने, डंकन ड्राइविंग न करने तथा ओवरलोडिंग से परहेज करने पर जोर दिया गया।

टांडा में 2000 हेलमेट वितरित

इन कार्यक्रमों में दोपहिया वाहन चालकों को प्राथमिकता के आधार पर हेलमेट उपलब्ध कराए गए। अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा।

सीएसआर कोष से उपलब्ध कराए गए हेलमेट

हेलमेट का वितरण एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट तथा मिझौड़ा चीनी मिल द्वारा सीएसआर कोष के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए हेलमेटों से किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद की सभी तहसीलों में उप जिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में हेलमेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशासन के अनुसार सभी तहसीलों में यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डीएम की अध्यक्षता में हुआ आयोजन

सम्हरिया चौराहे पर आयोजित हेलमेट वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर तथा उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) अयोध्या राजकुमार सिंह की उपस्थिति रही। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को आवश्यक बताते हुए इस तरह के अभियानों को दुर्घटनाओं की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

प्राथमिक विद्यालय नेवादा कला में शिक्षा चौपाल का आयोजन

अभिभावकों और शिक्षकों की सहभागिता से शैक्षिक गुणवत्ता पर हुआ संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकर नगर।ग्राम पंचायत नेवादा कला स्थित प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित कर बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ बनाना रहा। चौपाल में सरकारी योजनाओं, छात्र उपस्थिति, शिक्षण नवाचार और शैक्षिक प्रगति से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद शिक्षा चौपाल की औपचारिक कार्यवाही आरंभ की गई। संचालन अमरनाथ शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा और

उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

शिक्षा चौपाल के दौरान उपस्थित अभिभावकों को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना के अंतर्गत छात्रों के खातों में भेजी जाने वाली 1200 रुपये की धनराशि के उपयोग पर चर्चा की गई। बताया गया कि इस धनराशि से बच्चों के लिए ड्रेस, स्वेटर, जूते सहित अन्य आवश्यक सामग्री खरीदी जाती है। अभिभावकों से अपील की गई कि वे इस धनराशि का उपयोग केवल बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए करें।

80 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति पर दिया गया जोर

कार्यक्रम में बच्चों की नियमित उपस्थिति को शिक्षा की गुणवत्ता से जोड़ते हुए 80 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। शिक्षकों ने अभिभावकों को समझाया कि नियमित विद्यालय उपस्थिति से बच्चों की सीखने की क्षमता और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होती है। साथ ही बच्चों को समय पर विद्यालय भेजने और अध्ययन के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। शिक्षा चौपाल के अंतर्गत टीचिंग लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

फास्ट न्यूज

महिला की हत्या कर फेंकी गई लाश

गोरखपुर। गोरखपुर के पीपीगंज इलाके में शुक्रवार की भोर 35 साल की महिला की न्यूड लाश मिली है। सूचना पर पुलिस और फारेंसिक टीम पहुंची। मौके से सबूत जुटाए। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने हत्या करके लाश यहां फेंकी है। पहचान छिपाने के लिए सिर कूंच दिया गया है। पीपीगंज के बरघट्टा पुल के नीचे सुबह टहलने निकले लोगों ने महिला की लाश देखी।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण को लेकर आयुक्त का अंबेडकरनगर दौरा

अंबेडकरनगर। विधानसभा निर्वाचक क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। अहर्ता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे इस विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को आयुक्त एवं रोल प्रेक्षक, अयोध्या मंडल का जनपद अंबेडकरनगर भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। दौरे के दौरान पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ संबंधित अधिकारियों और राजनीतिक दलों से संवाद किया जाएगा।

घंटाघर बाजार में 9.50 लाख की टप्पेबाजी

गोरखपुर। गोरखपुर के घंटाघर बाजार में शुक्रवार की सुबह 9.50 लाख की टप्पेबाजी की घटना को एक जालसाज ने अंजाम दिया है। घंटाघर में स्थित 'आरसी आर्नामेंट' के मालिक बलिराम जायसवाल के कर्मचारी से एक अज्ञात जालसाज ने 9.50 लाख रुपये से भरा बैग ले लिया। बोला- जीएसटी पेपर लेकर आओ। जैसे ही कर्मचारी कागज लेने गया।

शास्त्रीनगर वार्ड में सफाई व्यवस्था का हुआ निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को प्रभारी अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत ने शास्त्रीनगर वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में सफाई व्यवस्था, नालियों की स्थिति और कूड़ा निस्तारण प्रणाली का मौके पर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी ने सड़कों और नालियों की सफाई का निरीक्षण किया। संबंधित सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा जमा न होने दिया जाए। इसके साथ ही डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के संचालन पर नजर रखते हुए कहा कि तय समय पर प्रत्येक घर से कचरा उठाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

शास्त्रीनगर वार्ड में चल रहे कचरा पृथक्करण प्रशिक्षण अभियान की भी समीक्षा की गई। इस दौरान नगर पालिका की ट्रेनिंग पार्टनर संस्था मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट की टीम से संवाद किया गया। टीम द्वारा नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। निरीक्षण में अभियान की प्रगति की जानकारी ली गई। अधिशासी अधिकारी ने प्रशिक्षण टीम के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि नागरिकों को सरल और स्पष्ट भाषा में कचरा पृथक्करण की प्रक्रिया समझाई जाए। उन्होंने बताया कि गीले कचरे से खाद और सूखे कचरे के पुनर्चक्रण से नगर की स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी।

सऊदी अरब के अबहा शहर में 161 भारतीय नागरिक फंसे

तीन महीने से भोजन और पैसे का संकट, अंबेडकरनगर के युवक भी शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सऊदी अरब के अबहा शहर में करीब 161 भारतीय नागरिक पिछले दो वर्षों से फंसे होने का मामला सामने आया है। इनमें उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जनपद के कई युवक भी शामिल हैं। रोजगार के नाम पर विदेश भेजे गए इन लोगों को अब गंभीर मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ितों के अनुसार पिछले तीन महीनों से उनके पास भोजन और पैसे तक की व्यवस्था नहीं है।

फंसे हुए भारतीयों ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो के माध्यम से अपनी स्थिति सार्वजनिक की है। वीडियो में बताया गया है कि करीब दो वर्ष पहले उन्हें अलीसार नामक कंपनी के माध्यम से सऊदी अरब भेजा गया था। कंपनी द्वारा केवल

छह महीने का वीजा दिलाया गया। वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद न तो उन्हें कोई काम उपलब्ध कराया गया और न ही भारत लौटने की व्यवस्था की गई।

पीड़ितों का कहना है कि वीजा खत्म होने के बाद वे गैरकानूनी स्थिति में फंस गए। कंपनी की ओर से संपर्क पूरी तरह समाप्त हो गया। न रोजगार मिला, न वेतन और न ही रहने-खाने की कोई व्यवस्था की गई। धीरे-धीरे हालात इतने खराब हो गए कि पिछले तीन महीनों से कई लोगों को लगातार कई दिनों तक बिना भोजन रहना पड़ रहा है। इस संकट में अंबेडकरनगर जनपद के अजय चौहान, फुलबदन, कुमार हृदेश्य और संतोष कुमार जैसे युवक भी शामिल हैं। इनके अलावा बस्ती, गोरखपुर और राजस्थान के झुंझुनू जिले सहित देश के अन्य हिस्सों के नागरिक भी अबहा शहर में फंसे हुए हैं। सभी की स्थिति लगभग एक जैसी बताई जा रही है।

फंसे भारतीयों ने बताया कि उन्होंने स्थानीय स्तर पर मदद पाने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन कहीं से कोई राहत नहीं मिली। सीमित संसाधनों के कारण अब उनका जीवन पूरी तरह संकट में है। वीडियो में पीड़ितों ने बताया कि उनके पास अब न तो काम है और न ही भारत लौटने का साधन।

राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत परिषदीय विद्यालयों की विज्ञान प्रदर्शनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय आविष्कार योजना के अंतर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान और तकनीक पर आधारित विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक अवधारणाओं के साथ उनके व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में ऊर्जा संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सोलर तकनीक, अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन जैसे विषयों पर आधारित मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। इसके साथ ही एंटी-सुसाइड फैन और ब्लड ग्रुप चेक मशीन जैसे नवाचार आधारित मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। छात्रों ने अपने-अपने मॉडल की कार्यप्रणाली और उससे होने वाले लाभों की जानकारी दी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने बताया कि

राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत यह विज्ञान प्रदर्शनी जनपद स्तर पर आयोजित की गई है। प्रदर्शनी में शामिल होने से पहले विद्यार्थियों ने अपने विद्यालयों में मॉडल तैयार किए। इसके बाद ब्लॉक रिसोर्स सेंटर स्तर पर मूल्यांकन के माध्यम से मॉडलों का चयन किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक बीआरसी से पांच-पांच विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चयनित विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शनी में अपने मॉडल प्रस्तुत किए, जिससे छात्रों की वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक क्षमता सामने आई। प्रदर्शनी में प्रस्तुत मॉडलों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल की संस्तुति पर पांच सर्वश्रेष्ठ मॉडलों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

'मेहनत से ही मिलेगी सफलता'

परीक्षा में लिखने का अभ्यास जरूरी : डीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 18 फरवरी से शुरू हो रही है। परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन को लेकर कौमी इंटर कॉलेज टांडा में बुधवार को 'परीक्षा पर चर्चा एवं संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कहा कि परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए केवल पढ़ना नहीं, बल्कि लिखने का नियमित अभ्यास बेहद जरूरी है। यदि लिखने की प्रैक्टिस नहीं की गई तो परीक्षा में समय की कमी के कारण प्रश्न छूट सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को पिछले 10 वर्षों के प्रश्नपत्रों का रिवीजन करने और सभी फॉर्मूलों को एक जगह लिखकर दोहराने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा में अब लगभग 20 दिन शेष हैं। यदि प्रतिदिन 10 घंटे पढ़ाई की

जाए तो कुल 200 घंटे का समय बचता है। इस दौरान कम से कम 20 घंटे केवल उत्तर लेखन का अभ्यास अवश्य किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मेहनत से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए, क्योंकि जीवन में जो भी उपलब्धि मिलती है, वह परिश्रम के बल पर ही मिलती है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष त्र्यंबक तिवारी भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक अंक प्राप्त करने के लिए समय प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय को सीखने और समझने की प्रक्रिया चार चरणों में होती है—सुनना, समझना, दोहराना और उसे अपने शब्दों में ढालना।

कमजोर विषयों पर विशेष फोकस की सलाह

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने परीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस विषय में कमजोरी है, उस पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने 25 मिनट पढ़ाई और 5 मिनट के ब्रेक के फार्मूले को अपनाने की सलाह दी, जिससे पढ़ाई बोझिल नहीं लगेगी और एकाग्रता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से रिवीजन करने से पढ़ा हुआ लंबे समय तक याद रहता है।

खान-पान और ग्रुप स्टडी पर दिया जोर

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संयोजन में जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवीण कुमार तिवारी की अहम भूमिका रही। जिलाधिकारी ने परीक्षा के दौरान खान-पान पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हल्का और संतुलित भोजन एकाग्रता बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही ग्रुप स्टडी को उपयोगी बताते हुए कहा कि समूह में पढ़ाई करने से विषयों को जल्दी समझा जा सकता है। मानचित्र अभ्यास के लिए भी उन्होंने व्यावहारिक सुझाव दिए।

लक्ष्य पूरा होते ही धान खरीद बंद सात हजार किसान प्रभावित

सरकारी क्रय केंद्रों पर तौल एक माह पहले रोकी गई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में धान खरीद का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा होने के बाद सरकारी क्रय केंद्रों पर तौल की प्रक्रिया एक माह पहले ही बंद कर दी गई। इस निर्णय से उन किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो टोकन लेकर धान बेचने की उम्मीद में क्रय केंद्रों के चक्कर लगा रहे थे। अनुमान के अनुसार करीब सात हजार किसान अब भी धान बेचने से वंचित रह गए हैं।

जिले में धान खरीद की प्रक्रिया 1 नवंबर 2025 से प्रारंभ हुई थी, जिसे 28 फरवरी 2026 तक चलना था। हालांकि निर्धारित अवधि से पहले ही जिले को आवंटित लक्ष्य से अधिक धान की खरीद हो जाने के कारण गुरुवार को अचानक तौल रोक दी

गई। इस वर्ष जनपद को कुल 15 लाख 80 हजार क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य दिया गया था।

लक्ष्य की पूर्ति के लिए जिलेभर में 115 सरकारी क्रय केंद्र स्थापित किए गए थे। इनमें सबसे अधिक 16 क्रय केंद्र नवीन मंडी अकबरपुर में बनाए गए थे। यहां बड़ी संख्या में किसान अपनी ट्रॉलियों के साथ तौल के इंतजार में मौजूद थे। अचानक तौल बंद होने से मंडी परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बन गई।

धान खरीद से जुड़ी एजेंसियों में पीसीएफ और एफसीआई को छोड़कर लगभग सभी ने अपने लक्ष्य से अधिक धान की खरीद पूरी कर ली है। खाद्य विभाग ने 8,30,000 क्विंटल के लक्ष्य के सापेक्ष 8,31,490 क्विंटल धान की खरीद की।

पॉश मशीनों ने किया काम बंद

किसानों के अनुसार क्रय केंद्रों पर अचानक पॉश मशीनों ने काम करना बंद कर दिया। मशीनों की स्क्रीन पर लक्ष्य पूरा होने के कारण खरीद बंद होने का संदेश प्रदर्शित होने लगा। सहकारी संघ जलालपुर सहित कई समितियों पर दोपहर करीब तीन बजे के बाद सन्नाटा पसर गया और तौल पूरी तरह ठप हो गई।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी को लेकर यातायात पुलिस का अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक यातायात जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में यातायात सुरक्षा से जुड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सत्येन्द्र सिंह यादव तथा प्रभारी यातायात जय बहादुर यादव की सक्रिय भूमिका रही।

कार्यक्रम के दौरान ZFD से संबंधित CCTEM के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियंत्रण और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई को लेकर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग से सड़क सुरक्षा को और

सीसीटीईएम कर्मियों को उपकरण व प्रशिक्षण, गोल्डन आवर पर विशेष फोकस

मजबूत करना रहा।

जिला चिकित्सालय अंबेडकर नगर से आई चिकित्सकों की टीम द्वारा गोल्डन आवर के महत्व पर प्रशिक्षण दिया गया। चिकित्सकों ने बताया कि दुर्घटना के बाद पहला एक घंटा पीड़ित के जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सही प्राथमिक उपचार और त्वरित अस्पताल पहुंचाने से जान बचाई जा सकती है। यातायात कर्मियों को इस प्रक्रिया में समन्वय की भूमिका समझाई गई।

लापरवाही : चार-चार माह से लंबित दाखिल-खारिज, रजिस्ट्री बैनामे पर भी पड़ा असर

आलापुर तहसील में निर्विवादित नामांतरण वादों का निस्तारण ठप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील में निर्विवादित नामांतरण वादों के निस्तारण में भारी लापरवाही सामने आ रही है। स्थिति यह है कि जमीनों की रजिस्ट्री बैनामा होने के बाद भी नामांतरण की प्रक्रिया महीनों तक पूरी नहीं हो पा रही है। कई मामलों में चार से पांच माह बीत जाने के बावजूद दाखिल-खारिज नहीं किया गया है, जिससे क्रेता और विक्रेता दोनों परेशान हैं।

सूत्रों के अनुसार जमीनों की रजिस्ट्री के उपरांत सबसे पहले नामांतरण वादों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज होने में ही कई महीने लग जाते हैं। जब किसी तरह से मामले दर्ज हो पाते हैं और क्रेता-विक्रेता को नोटिस जारी हो जाती है,

उसके बाद भी निर्विवादित मामलों का समयबद्ध निस्तारण नहीं किया जा रहा। तहसील में बड़ी संख्या में ऐसे वाद लंबित हैं, जिनमें किसी प्रकार का विवाद नहीं है, फिर भी उन्हें महीनों से लटकाया गया है। नामांतरण प्रक्रिया में देरी को लेकर तहसील के पीठासीन अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कभी हड़ताल का हवाला दिया जाता है तो कभी एसआईआर कार्य में व्यस्तता को कारण बताया जाता है। इन बहानों के चलते

स्थानीय स्तर पर कई बार नामांतरण में हो रही देरी को लेकर शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार उच्चाधिकारियों द्वारा न तो मौके पर स्थिति जानने का प्रयास किया गया और न ही किसी प्रकार की जांच शुरू की गई। इससे क्रेता और विक्रेता दोनों में निराशा बढ़ती जा रही है।

निर्विवादित वाद भी चार-चार माह तक लंबित पड़े रहते हैं। इससे न केवल आमजन को परेशानी हो रही है, बल्कि राजस्व व्यवस्था की कार्यक्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है। निर्विवादित नामांतरण वादों के लंबित रहने का सीधा असर अब आलापुर तहसील क्षेत्र में जमीनों की रजिस्ट्री पर भी दिखाई देने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व के मुकाबले अब लोग यहां जमीन की खरीद-फरोख्त से कतराने लगे हैं। नामांतरण में हो रही देरी के कारण क्रेता जोखिम उठाने से बच रहे हैं, जिससे रजिस्ट्री की संख्या में भी कमी आ रही है।

क्रेता परेशान, जमीन पर अधिकार नहीं हो पा रहा दर्ज

नामांतरण न होने से जमीन खरीदने वाले क्रेता सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। रजिस्ट्री होने के बाद भी जब नाम खतौनी में दर्ज नहीं होता, तो वे जमीन पर किसी प्रकार का निर्माण, ऋण प्रक्रिया या अन्य सरकारी कार्य नहीं करा पा रहे हैं। कई मामलों में किसान और आम नागरिक बार-बार तहसील के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है।

मत्स्य किसान पंजीकरण शिविर 31 जनवरी को माधोपुर में

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना के अंतर्गत मत्स्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए 31 जनवरी 2026 को एक वृहद पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर पंचायत भवन माधोपुर, विकास खंड भियांव, तहसील जलालपुर में आयोजित होगा। शिविर का उद्देश्य जिले के मछुआ समुदाय से जुड़े पात्र व्यक्तियों का एनएफडीपी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित करना है। शिविर के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत एनएफडीपी पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीकरण को आवश्यक बताया गया है। पंजीकरण शिविर में जिले के मछुआरे, नाविक,

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के तहत होगा निःशुल्क ऑनलाइन पंजीकरण

मछली पालन करने वाले किसान, मछली विक्रेता, मत्स्य विभाग की योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थी, मत्स्यजीवी सहकारी समितियों के सदस्य सहित मछुआ समुदाय से जुड़े सभी पात्र व्यक्ति अपना पंजीकरण करा सकेंगे। विभाग के अनुसार पंजीकरण से योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराया जा सकेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य ने बताया कि पंजीकरण शिविर का आयोजन मत्स्य विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिसमें कॉमन सर्विस सेंटर की सहायता से ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। शिविर में तकनीकी सहायता के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि पंजीकरण में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट की सही रोक

सुप्रीम कोर्ट ने उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की ओर से लाए गए नए नियमों पर रोक लगाकर कलह और अविश्वास के वातावरण को ही दूर करने का काम किया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रथमदृष्ट्या यह पाया कि नए नियमों में अस्पष्टता है और इसके चलते उनका दुरुपयोग होने की आशंका है। अच्छा होता कि इसे यूजीसी की ओर से ही भांप लिया जाता और उसकी ओर से ऐसे नियम बनाए जाते, जो दुरुपयोग की आशंकाओं को जन्म नहीं देते। इससे इन्कार नहीं कि उच्च शिक्षा संस्थानों में यदा-कदा भेदभाव के मामले आ जाते हैं, लेकिन उन्हें रोकने के लिए यूजीसी ने जो नए नियम बनाए, उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे शिक्षा संस्थानों में बड़े पैमाने पर भेदभाव हो रहा था और एससी-एसटी-ओबीसी वर्गों के लाखों छात्र पीड़ित हो रहे थे।

निःसंदेह ऐसी स्थिति नहीं थी। सच यह है कि शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव की कुछ ही शिकायतें सामने आती थीं और उनमें भी चुनिंदा ही सही पाई जाती थीं। आखिर ऐसे में ऐसे नियम क्यों बनाए गए, जो यह प्रतीति करा रहे थे कि शिक्षा संस्थान जातिगत भेदभाव के गढ़ बन गए हैं? जब नियम-कानून बनाते समय कोई समस्या अतिरंजित दिखाई जाती है तो समाज में गलत संदेश तो जाता ही है, राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों की भी पौ बारह हो जाती है।

यूजीसी के नए नियमों के मामले में भी ऐसा ही हुआ। इन नियमों को लेकर विभाजनकारी राजनीति होने लगी और आरक्षित एवं सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का काम होने लगा। आखिर यूजीसी ने यह आभास क्यों नहीं किया कि समय के साथ जैसे सार्वजनिक स्थानों और कार्यस्थलों पर जातिगत भेदभाव कम हुआ है, वैसे ही शिक्षा संस्थानों में भी स्थिति सुधरी है?

यह समझना भी कठिन रहा कि नए नियमों में भेदभाव को जाति- आधारित भेदभाव क्यों कर दिया गया और झूठी शिकायतों के लिए सजा के प्रविधान को क्यों हटा दिया गया? फिलहाल कहना कठिन है कि यूजीसी के नियमों में किस तरह के संशोधन-परिवर्तन होंगे, लेकिन यह ध्यान रखा जाए तो बेहतर कि किसी भी तरह के भेदभाव रोकने के उपाय ऐसे नहीं होने चाहिए, जो समाज को जाति के खांचों में विभक्त दिखाएं। इस सदंर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि हमें उस स्थिति में नहीं जाना चाहिए, जहां भिन्न-भिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग शिक्षा संस्थान हों। देश को ऐसे वातावरण की ओर बढ़ना चाहिए, जिसमें कहीं भी किसी तरह के भेदभाव के लिए कोई गुंजाइश न रहे और यदि कहीं कोई समस्या सामने आए तो उसका समाधान इस तरह किया जाए, जिससे सामाजिक सद्भाव को बल मिले। शिक्षा संस्थानों में तो ऐसा वातावरण होना और भी आवश्यक है।

यूजीसी प्रकरण : उच्च शिक्षण संस्थानों को जातीय हिसाब किताब बराबर करने का केंद्र नहीं बनने दिया जाए

> यूजीसी के नए नियमों में प्रावधान किया गया है कि हर उच्च शिक्षण संस्थान में अनिवार्य समान अवसर केंद्र (ईओसी) और दस सदस्यीय समानता समिति का गठन अनिवार्य होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर रोक लगा दी है। इन नियमों का सवर्ण वर्ग भारी विरोध कर रहा था। कोर्ट ने सुझाव दिया कि विशेषज्ञों की एक समिति इन नियमों में खामियों को भरने पर विचार कर सकती है। यूजीसी के 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम' का प्रभाव शिक्षण संस्थानों तक सीमित नहीं रहा। इसे लेकर पूरे देश में बवाल शुरू हो गया। इन नियमों में समान अवसर केंद्र, आरक्षित सदस्यों वाली समितियां बनाने, निगरानी दस्ते गठित करने का प्रावधान है लेकिन झूठी शिकायतों पर मौन साध लिया गया। भले ही इनका लक्ष्य जातीय भेदभाव को समाप्त करना है, लेकिन इससे जातीय राजनीति को हवा मिली और शिक्षण संस्थानों में ही नहीं, पूरे देश में जातीय वैमनस्य बढ़ने की आशंका पैदा हो गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि नए नियमों के प्रावधानों में प्रथम दृष्टया अस्पष्टता है और इनके दुरुपयोग की आशंका है।

सवर्ण संगठनों का उग्र विरोध और सोशल मीडिया पर यूजीसी रोलबैक का तूफान इसका प्रमाण है कि इन नियमों को लेकर एक वर्ग में कितना रोष है। इसी के चलते उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। जाने—माने कवि कुमार विश्वास की सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया भी चर्चा का विषय बनी। कुमार विश्वास ने दिवंगत कवि रमेश रंजन की एक कविता साझा की। लिखा, चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा सवर्ण हूं, मेरा रोंया—रोंया उखाड़ लो राजा...। उधर कांग्रेस जैसे प्रमुख विपक्षी दल राजनीतिक कारणों से मौन साधे रहे जबकि दलित-ओबीसी संगठनों ने नए नियमों को अपनी विजय माना। राजद प्रवक्ता कंचना यादव का बयान तो बहुत चर्चित हुआ। यूजीसी बिल पर एक टीवी डिबेट में उन्होंने कहा कि आपको यानी सवर्ण समाज को फंसाया जाना चाहिए क्योंकि आपने कभी भी इस देश के 90 प्रतिशत ओबीसी, एससी—एसटी आबादी, माइनॉरिटी को उसका हक नहीं दिया। जिस तरह की बयानबाजी हुई, उससे यह आशंका है कि इन नियमों का सर्वाधिक विनाशकारी प्रभाव समाज के सामाजिक ताने-बाने पर पड़ेगा। नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक से विवाद खत्म भले ही नहीं हो लेकिन इसकी उग्रता जरूर कम हो जाएगी। समानता समिति में पांच सदस्य आरक्षित वर्गों से होंगे और घूमते-फिरते निगरानी दस्तों की व्यवस्था भी होगी लेकिन, झूठी शिकायतों पर किसी तरह की सजा का प्रावधान न होने के कारण निर्दोषों के उत्पीड़न का मार्ग खुलने की आशंका जताई जा रही है। इन नियमों के चलते उच्च शिक्षा परिसरों में संवाद की जगह संशय का वातावरण बनने की आशंका है। माना जा रहा है कि डर के कारण सवर्ण छात्र आरक्षित वर्गों से दूरी बनाए रखेंगे और एक दूसरे के प्रति अविश्वास का माहौल बन जाएगा। इससे जातीय तनाव बढ़ने का डर भी है। आजादी के बाद जातीय समरसता के जो प्रयास किए जा रहे थे, उन पर इन नियमों पर वज्रपात जैसा असर हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि इनका दुरुपयोग होने की आशंका है। जरूरतमंद को सुरक्षा जरूर मिलनी चाहिए लेकिन लक्ष्य जातिविहीन समाज ही होना चाहिए। नए नियमों को 2012 के इसी नाम के यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियमों की जगह लेना था। 2012 के नियम ज्यादातर सलाहकारी प्रकृति के थे। उनमें कहा गया था कि ₹सजा भेदभाव या उत्पीड़न की प्रकृति के अनुरूप होगी₹। इनमें ओबीसी वर्ग भी शामिल नहीं था। ऐसे संस्थान के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान नहीं किया था जो नियमों का पालन नहीं करता है। अब उन संस्थानों को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जो नियमों का पालन नहीं करेंगे। यूजीसी उन्हें आयोग की योजनाओं में भाग लेने, डिग्री और ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित करने से रोक सकता है। ऐसे संस्थानों को केंद्रीय अनुदान प्राप्त करने के योग्य संस्थानों की सूची से भी हटाया जा सकता है। उच्च शिक्षा को राष्ट्र-निर्माण का आधार स्तंभ माना जाता है। इन नियमों से जुड़ी आशंकाएं सच साबित हुईं तो यह मजबूत स्तंभ हिल सकता है। नियमों से कागजी कार्रवाई बढ़ेगी। शिक्षक खुलकर पढ़ाने से हिचकिचाएंगे, विद्यार्थी चर्चा से कतराएंगे। संस्थानों में नवाचारों पर भी इसका असर हो सकता है। ब्रेन ड्रेन की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। उच्च शिक्षण संस्थान ज्ञानार्जन नहीं बल्कि जातीय हिसाब-किताब बराबर करने के केंद्र बन सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत की तरफ झुकाव बढ़ा है। अब वे अपने कदम पीछे खींच सकते हैं। केंद्रीय अनुदान रद्द करने, डिग्री कार्यक्रमों पर रोक जैसे नए नियमों से संस्थानों दबाव में आ सकते हैं। भारतीय राजनीति पर इन नियमों का व्यापक प्रभाव पड़ना तय है। राजनीति के चलते जातीय टकराव भड़क सकता है। भारतीय राजनीति में जातीय रंग हमेशा ही रहा है लेकिन अब यह अधिक गहरा हो सकता है। अब यह एससी—एसटी—ओबीसी बनाम सवर्ण का रूप ले सकता है। इसके चलते विकास, रोजगार जैसे मुद्दे दब सकते हैं। आशंका यह है कि कहीं लोकतंत्र जातियों का बंधक बनकर न रह जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि नए नियमों से समाज बंटेगा।

विपरीत प्रभावों को रोकने के लिए इन नियमों में तत्काल संशोधन आवश्यक हो गया है। अब सुप्रीम कोर्ट की रोक से संशोधन की राह खुल गई है। बेहतर तो यह है कि झूठी शिकायतों पर दंड का प्रावधान जोड़ा जाए। मामला झूठा पाए जाने पर जुर्माना, निष्कासन या कानूनी कार्रवाई का प्रावधान हो। नए नियमों में सवर्णों समेत सभी जातियों को शामिल किया जाए।

- ज्ञान चंद पाटनी

महाराष्ट्र की राजनीति बदलने के संकेत

अजीत पवार के निधन से जीवन का यही सच पुनः रेखांकित हुआ कि नियति के आगे इंसान बेबस है। जिस शख्स ने अपने नाम और काम से महाराष्ट्र की राजनीति में 'दादा' का संबोधन हासिल किया, विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद उसकी पहचान 'घड़ी' से करनी पड़ी। संयोगवश 'घड़ी' अजीत की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का चुनाव चिह्न है। अजीत के नाम पर ही देश में सबसे ज्यादा छह बार उपमुख्यमंत्री बनने का कीर्तिमान है। सत्ता-प्रेम के चलते उनके रास्ते अपने चाचा शरद पवार से भी अलग हो गए, जिनकी अंगुली पकड़ कर वह राजनीति में आए थे। लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद अजीत की एनसीपी ने विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन से चौंकाया। वे चाचा शरद पवार की पार्टी पर भारी पड़े, पर राजनीति असीमित संभावनाओं का खेल है। इधर दोनों गुट नजदीक भी आने लगे थे। हाल के निकाय चुनावों में कुछ जगह दोनों गठबंधन कर चुनाव लड़े थे, तो आसन्न जिला पंचायत चुनाव भी मिलकर लड़ने का मन बन गया था। इसलिए राजनीतिक गलियारों में बड़ा सवाल यही है कि क्या अजीत के निधन के बाद पवार परिवार और एनसीपी के दोनों गुट एक होंगे? राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय शरद पवार द्वारा महाराष्ट्र की राजनीति अजीत को सौंप देने के बाद उन्हें ही राजनीतिक उत्तराधिकारी माना जा रहा था, लेकिन बेटी सुप्रिया सुले की बढ़ती राजनीतिक सक्रियता से भतीजे की महत्वाकांक्षाएं टकराने लगीं। यह टकराव पहली बार सतह पर तब आया, जब 2019 में राजभवन में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री की एकाएक शपथ ले ली।

राज कुमार सिंह

मुद्रा के स्तर पर यूरोपीय ...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

यूरोप की साझा राजनीति : यूरोपीय संघ

भारत के साथ ट्रेड डील से EU चर्चा में है। यूरोपीय संघ केवल देशों का समूह नहीं है, वह इतिहास की प्रयोगशाला है जहाँ सदियों की लड़ाइयों, साम्राज्यों के उत्थान पतन और सीमाओं के खून से खिंचे नक्शों के बाद यह तय किया गया कि अब तलवार नहीं, समझौता चलेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के मलबे से उठकर यूरोप ने यह स्वीकार किया कि राष्ट्रवाद की अति अंततः राष्ट्रों को ही लहूलुहान करती है। इसी स्वीकारोक्ति से जन्म हुआ यूरोपीय संघ का जो आज दुनिया की सबसे संगठित और जटिल बहुराष्ट्रीय संरचनाओं में से एक है।

वर्तमान यूरोपीय संघ में सत्ताईस देश शामिल हैं। जर्मनी और फ्रांस इसकी धुरी माने जाते हैं तो इटली और स्पेन इसकी ऐतिहासिक आत्मा हैं। नीदरलैंड, बेल्जियम और लक्जमबर्ग जैसे छोटे देश इसके प्रशासनिक संतुलन को साधते हैं। पूर्वी यूरोप से पोलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य, स्लोवाकिया, रोमानिया और बुल्गारिया जैसे देश इसके विस्तार का प्रतीक हैं। बाल्टिक क्षेत्र के एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया इसकी रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करते हैं। साइप्रस और माल्टा भूमध्य सागर की आवाज हैं जबकि स्कैंडिनेवियाई स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क इसकी सामाजिक चेतना को आकार देते हैं। ब्रिटेन कभी इसका हिस्सा था पर ब्रेक्जिट ने यह सिखा दिया कि संघ में रहना भी एक राजनीतिक धैर्य की मांग करता है।

यूरोपीय संघ की कोई एक राजधानी नहीं है और यही उसकी खासियत भी है। यह सत्ता को एक स्थान पर केंद्रित करने के बजाय उसे फैलाकर संतुलित करता है। ब्रसेल्स इसका प्रशासनिक चेहरा है जहाँ से नीतियां बनती हैं और फाइलें चलती हैं। स्ट्रासबर्ग लोकतांत्रिक मंच है जहाँ यूरोपीय संसद की बहसें गूंजती हैं। लक्जमबर्ग न्यायिक विवेक का केंद्र है जहाँ कानूनों की आत्मा को परखा जाता है। यह बिखराव दरअसल शक्ति के विकेंद्रीकरण का प्रतीक है जो यूरोपीय संघ की मूल भावना से मेल खाता है।

मुद्रा के स्तर पर यूरोपीय संघ ने साहसिक कदम उठाया। यूरो नामक साझा मुद्रा को अपनाकर कई देशों ने अपनी सदियों पुरानी राष्ट्रीय मुद्राओं को इतिहास में दर्ज कर दिया। यह केवल नोट और सिक्के बदलने का मामला नहीं था, यह आर्थिक संप्रभुता का साझा प्रयोग था हालांकि सभी सदस्य देशों ने यूरो को नहीं अपनाया है। कुछ देशों ने अपनी मुद्रा बनाए रखी है ताकि आर्थिक नीतियों पर उनका सीधा नियंत्रण बना रहे। यूरोपीय केंद्रीय बैंक फ्रैंकफर्ट से इस साझा मुद्रा की नब्ज थामे बैठा है और पूरे महाद्वीप की आर्थिक धड़कन को संतुलित रखने की कोशिश करता है।

लोकतंत्र की दृष्टि से यूरोपीय संघ एक दिलचस्प संरचना है। यहां नागरिक केवल अपने देश की सरकार नहीं चुनते बल्कि एक महाद्वीपीय संसद के प्रतिनिधि भी चुनते हैं। हर पांच वर्ष में होने वाले यूरोपीय संसद के चुनाव इस बात का संकेत हैं कि नागरिकों की आवाज राष्ट्रीय सीमाओं से आगे जाकर सुनी जाती है। हालांकि अक्सर यह भी देखा गया है कि आम नागरिक यूरोपीय चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति की कसौटी पर ही तौलता है जिससे संघ और जनता के बीच दूरी की बहस जन्म लेती है। प्रशासनिक ढांचे में यूरोपीय संघ एक संतुलन साधने की निरंतर कोशिश है। यूरोपीय आयोग प्रस्ताव लाता है, यूरोपीय परिषद दिशा तय करती है, संसद बहस और संशोधन करती है और न्यायालय अंतिम व्याख्या करता है। यह प्रक्रिया धीमी लग सकती है, पर यही इसकी मजबूती भी है। जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से यूरोप पहले ही बहुत कुछ खो चुका है, इसलिए यहां निर्णय समय लेते हैं पर सोच समझकर लिए जाते हैं। अंततः यूरोपीय संघ एक राजनीतिक व्यवस्था से अधिक एक विचार है। यह विचार कि विविध भाषाएं, संस्कृतियां और राष्ट्रीय स्वार्थ एक साझा मंच पर रह सकते हैं। यह प्रयोग पूरी तरह सफल है या नहीं, यह बहस का विषय हो सकता है पर इतना तय है कि यूरोपीय संघ ने दुनिया को यह दिखाया है कि शक्ति केवल सैन्य या आर्थिक नहीं होती बल्कि सहयोग और सहमति भी एक बड़ी ताकत हो सकती है। शायद इसी कारण यूरोपीय संघ आज भी विश्व राजनीति में एक शांत लेकिन प्रभावशाली उपस्थिति बना हुआ है।

आत्मनिर्भर...

जगदीश मिश्र

कब तक झेलेगा सवर्ण समाज

सवर्ण अर्थात् मुख्य तौर पर ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य! शिक्षा सुरक्षा और व्यवसाय की स्वाभाविक मेधा के धनी।

आत्मनिर्भर, पुरुषार्थी तथा स्वाभिमानी अधिकतम टैक्स अदा करने वाली यह तिकड़ी ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है।

बाकी तो देने या कुछ करने के नाम पर पैंटें खोल दोनों हाथ उठा कर खड़े हो जाने वाले हैं।

राजनीति समाज को जाति में बांटती है, सर्वविदित तथ्य है जिसे कोई झुठला नहीं सकता।

यह खेल देश आजाद होने के साथ शुरू हुआ जो आज तक बखूबी जारी है। जातियों ने राजनीति की कमजोरी पकड़ ली और खुद को वोट बैंक बनाकर नेताओं को ब्लैकमेल करना सीख लिया।

सत्तर साल में सत्ता का संरक्षण और आरक्षण की बैसाखी भी इनकी तथा कथित बेचारगी दूर नहीं कर पाई।

हृष्ट-पुष्ट भिखारी को कमा कर खाने की बात कहाँ अच्छी लगती है?

योग्यता को दरकिनार कर दो पीढ़ियों को सत्तालोलुप राजनीति से मिले संरक्षण और पोषण ने देश की एक बड़ी आबादी को इस हद तक पंगु बना दिया है कि वह आत्मनिर्भर या फिर कहिए तो पुरुषार्थी बनने को तैयार ही नहीं है।

ठीक वैसे ही जैसे कोई बीमार ठीक होने के बाद भी बीमार ही बना रहना चाहता है सिर्फ इसलिए कि उसे पर्याप्त सुविधाएं बीमारी के चलते मिल रही होती हैं। खैर, किसको क्या और क्यों मिल रहा है, यह पाने व देने वाले जानें।

किन्तु अपनी स्थिति का मूल्यांकन तथा सम्मान की रक्षा करने का अधिकार सभी को है। सवर्ण समाज को भी।

इस समाज ने सत्ता से न कोई व्यक्तिगत अपेक्षा नहीं की, न किसी नेता या पार्टी का वोट बैंक नहीं बना।

इस वर्ग के फैसले का आधार सिर्फ देश और समाज हित रहा। बदले में इसको क्या मिला? सिर्फ गालियाँ, अपमान और तिरस्कार!

अपनी योग्यता, क्षमता और पुरुषार्थ के सहारे जीना चाहने वाले को कमजोर समझने की भूल किसी भी दल, नेता अथवा सरकार को नहीं करनी चाहिए। सम्मान से कोई समझौता करना इस समाज के रक्त में नहीं है।

जरा हटके

बता दें कि इस...

कमलेश पांडेय

सनातन विरोधी भारतीय संविधान में संशोधन की अपेक्षाएं

भारतीय संविधान के कुछ प्रावधानों को यदि सनातन विरोधी षडयंत्र समझा जाता है तो यह अनायास नहीं है क्योंकि इसके कई निर्माताओं का सार्वजनिक चरित्र संदिग्ध और हिंदुत्व विरोधी माना जाता रहा है। तत्कालीन नौकरशाहों, न्यायविदों, व उद्योगपतियों में भी ऐसे ही तत्वों की बहुतायत थी जिससे आजादी के मौलिक उद्देश्य बता आजतक अधूरे हैं।

खास बात यह कि भले ही सत्तागत स्वार्थपूर्ति की गरज से तत्कालीन नेताओं ने सांप्रदायिक आधार पर हिन्दुस्तान व पाकिस्तान के विभाजन को स्वीकार कर लिया लेकिन बाद में वोट बैंक की दृष्टि से जो नीतिगत संवैधानिक शरारत की वह लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांत स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को मुंह चिढ़ाने वाली प्रतीत हुई। इसके लिए संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर और आधुनिक भारत के निर्माता जवाहरलाल नेहरू गुट पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

ऐसा इसलिए कि अंग्रेजों की फूट डालो और शासन करो वाली जातीय, क्षेत्रीय व धार्मिक नीतियों को स्वतंत्र भारत में हूबहू लागू कर दिया गया। हैरत की बात तो यह कि इनका पुरजोर विरोध शांतिप्रिय हिन्दू समाज ने भी नहीं किया। तब सवर्णों के पास सत्ता थी, दलितों और अल्पसंख्यकों को बेहिसाब अधिकार मिले थे और पिछड़ों को हाशिए पर छोड़ दिया गया ताकि सरदार पटेल कमजोर रहें हालांकि बाद में इन्हीं पिछड़ों ने एकजुट होकर समाजवादी राजनीति की और राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में कांग्रेस की सत्ता बदल दी। तब राष्ट्रवादियों का भी उन्होंने सहयोग लिया।

दरअसल, भारतीय संविधान में कुछ प्रावधानों को सनातन धर्म के अनुयायियों द्वारा ₹विरोधी₹ माना जाता है, विशेष रूप से शिक्षा और धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अनुच्छेद के दृष्टिगत। इनमें मुख्यतः अनुच्छेद 28, 29 और 30 शामिल हैं जिन्हें हिंदू संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने वाला देखा जाता है। यह विवादास्पद अनुच्छेद कतिपय नजरिए से हिन्दू विरोधी समझे जाते हैं क्योंकि अनुच्छेद 28 राज्य-समर्थित शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा पर प्रतिबंध लगाता है जिससे हिंदू गुरुकुल प्रभावित होते हैं।

वहीं, अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों (मुस्लिम, ईसाई आदि) को अपनी संस्थाएं चलाने और सरकारी सहायता लेने का अधिकार देता है जबकि बहुसंख्यक हिंदुओं पर ऐसा प्रतिबंध रहता है। साथ ही अनुच्छेद 26 धार्मिक मामलों में हिंदू समुदायों को पूर्ण स्वायत्तता नहीं देता, खासकर मंदिर प्रबंधन में। ये प्रावधान कांग्रेस काल में जोड़े गए माने जाते हैं जो अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के लिए हिन्दू विरोधी कृत्य को बढ़ावा देते आए हैं हालांकि, पहले जिस तरह से भाजपा का समाजवादीकरण हुआ और अब जिस तरह से उसकी कांग्रेसीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई है, उसके दृष्टिगत ये सवाल पुनः मुखर हो चुके हैं। इसलिए इनमें संविधान संशोधन किये जाने सम्बन्धी प्रमुख अपेक्षाएं गलत नहीं हैं, बल्कि समानता व बंधुत्व के लिहाज से उचित हैं। तभी तो सनातन समर्थक हिंदुओं का एक बड़ा वर्ग इन अनुच्छेदों को रद्द करने या संशोधित करने की मांग करते आये हैं ताकि हिंदू संस्थाओं को समान अधिकार मिले क्योंकि संवैधानिक अनुच्छेद 28 और 30 को समाप्त कर सभी को समान धार्मिक शिक्षा का अधिकार देना जरूरी है, वहीं, मंदिरों पर से सरकारी नियंत्रण हटाना और हिंदू संपत्ति पर स्वायत्तता की बहुत जरूरी है। इसके अलावा, संविधान में अलग से जोड़े गए ₹सेक्युलर₹ और ₹सोशलिस्ट₹ शब्द हटाने की मांग भी वाजिब हैं जो 42वें संशोधन द्वारा 1976 में जोड़े गए। कहना न होगा कि ऐसे संशोधन से शिक्षा में वेद-गीता जैसी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा लेकिन अल्पसंख्यक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। फिर भी कुछ विचारक संविधान को सही ढंग से लागू करने की वकालत करते हैं न कि पूर्ण बदलाव की।

यह ठीक है कि भारतीय संविधान ने जातिवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा लेकिन कुछ आलोचकों के अनुसार आरक्षण प्रणाली और अनुसूचित जाति-जनजाति की पहचान को जाति से जोड़कर इसे संस्थागत रूप से मजबूत किये जाने का कुत्सित ब्रितानी प्रयास जारी रखा। ऐसा इसलिए कि यह प्रावधान सामाजिक न्याय के नाम पर जन्म-आधारित वर्गीकरण को संरक्षण देता है जो सनातनी वर्ण व्यवस्था की आधुनिक प्रतिध्वनि माना जाता है। इससे सनातन धर्म में विभेद को बढ़ावा मिलता है और हिन्दू धर्म कमजोर होता है।

बता दें कि इस निमित्त संविधान सभा ने ब्रिटिश कालीन पिछड़ी जातियों की सूचियों को अपनाया ताकि ऐतिहासिक शोषण का सुधार हो। जिस तरह से संवैधानिक अनुच्छेद 15(4), 16(4), 46 के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति/अत्यंत पिछड़ा वर्ग (SC/ST/OBC) को आरक्षण देकर समता सुनिश्चित की गई, उसने जाति को स्थायी पहचान बना दिया। भले ही डॉ आंबेडकर ने इसे अस्थायी माना और सिर्फ 10 वर्ष के लिए इसकी वकालत की, लेकिन उससे जातिवाद और मजबूत हुआ। वहीं राजनीतिक दबाव से अब यह अनंतकालिक होता प्रतीत होता है। इससे हिंदुओं में जातीय विद्वेष की भावना पनपी और हिंदुओं में गहरी फूट पड़ गई। समझा जाता है कि आरक्षण ने हिंदुओं के बीच की जाति को राजनीतिक हथियार बना दिया, और वोटबैंक और भेदभाव को संस्थागत रूप से गहरा किया। इससे अंतरजातीय विवाह और अंतर्धार्मिक शादी जैसे सामाजिक विरोधाभासों को भी बढ़ावा दिया गया। इससे हिन्दू समाज दिग्भ्रमित और कुसंस्कारी हुआ है। इससे बचने की जरूरत है, अन्यथा नीतिगत विडंबना से पूरी सनातन संस्कृति पर काले बादल मंडराने लगेंगे। यह ठीक है कि अनुसूचियां (SC/ST सूची) जन्म-जाति पर आधारित हैं और धर्मांतरण पर इनका लाभ छिन जाता है।

हॉस्टल के 30-40 छात्रों का हमला, पीजी छात्र के सिर में चोट, सर्च ऑपरेशन में 11 कमरे सील

बनारस यूनिवर्सिटी में बवाल

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। BHU (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) के दो हॉस्टल के छात्रों के बीच गुरुवार को मारपीट और पथराव हुआ। घटना में पीजी के छात्र पीयूष तिवारी के सिर में गंभीर चोट आई। उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

आरोप है कि निष्कासित छात्र दर्शित पांडेय, रौनक मिश्रा, अंकित पाल और विश्वजीत यादव ने रुइया हॉस्टल के गेट पर पीयूष तिवारी के साथ मारपीट की। घटना के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना पर इंस्पेक्टर लंका राजकुमार शर्मा BHU चौकी प्रभारी सौरभ तिवारी फोर्स के साथ मौके पर

पहुंचे। आक्रोशित छात्रों को समझाया। लेकिन, आक्रोशित छात्र आरोपियों पर कार्रवाई के लिए मांग करते रहे। छात्रों का आक्रोश देखकर डीसीपी काशी गौरव समेत 500 पुलिसकर्मियों ने हॉस्टल में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान ड्रोन से भी निगरानी की गई। भाग रहे 1 छात्र को पकड़कर पूछताछ के लिए ले जाया गया।

चीफ प्रॉक्टर के अनुसार, बिरला-सी हॉस्टल के 11 कमरों को सील कर दिया गय। यहां से कुछ संदिग्ध चीजें भी मिली हैं।

बिरला सी का जो कमरा सील हुआ, उसका छात्र प्रॉक्टर से मिला।

चीफ प्रॉक्टर रुइया हॉस्टल पहुंचे

चीफ प्रॉक्टर रुइया हॉस्टल की चेकिंग करने के लिए रवाना हो गए हैं। उनके साथ फोर्स भी मौजूद है। पुलिस ने 6 बजे हॉस्टल में कार्रवाई शुरू की। डेढ़ घंटे से ज्यादा 3 छात्रावासों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। हॉस्टल के अंदर सिर्फ चीफ प्रॉक्टर और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के टीम वार्डन के साथ जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि बिरला-सी छात्रावास के 11 कमरों को सील किया गया है। बिरला A में भी कुछ कमरों में ताला लगाया गया। गेट पर पुलिस तैनात है। छात्रों को कड़ी हिदायत दी गई है कि अगर किसी प्रकार की नारेबाजी की गई, तो तत्काल उन छात्रों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉक्टर ने कहा कि एफआईआर दर्ज होगी। इस बीच छात्र लगातार कमरा खोलने की रिक्वेस्ट करता रहा।

बीएचयू के चीफ प्रॉक्टर संदीप पोखरियाल सवालों से बचते हुए बाहर की तरफ निकले। बोले- शांति व्यवस्था के लिए कार्रवाई हुई। हॉस्टल में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। अंदर चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। मौके पर भारी

प्रशासन की कार्रवाई को देखकर अन्य छात्रावास के छात्र भी दहशत में हैं। ड्रोन से सभी छात्रावास के छतों की निगरानी की जा रही है। अब तक तीन छात्रावासों की चेकिंग की गई है। चीफ प्रॉक्टर ने सभी को हिदायत दी है कि छात्रों से सिर्फ वही वार्तालाप करेंगे।

पुलिस फोर्स तैनात है। छात्रों ने नारेबाजी की है।

रुइया हॉस्टल के गेट पर 50-60 छात्र प्रॉक्टोरियल बोर्ड से बात कर रहे थे। इसी दौरान रुइया हॉस्टल का छात्र पीयूष तिवारी बाइक से अंद जा रहा था।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को मारी टक्कर
एक की मौत, बेटा गंभीर घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सूरतगंज क्षेत्र के वीकेपुर मजरे के पास पंप नहर के निकट हुआ, जहां तेज रफ्तार व लापरवाही से चल रही एक पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर खाला थाना कहते के नौबस्ता मजरे बैरानामऊ मंझारी निवासी ननकई पत्नी संजय कुमार निवासी ने थाने में तहरीर देकर बताया कि दिनांक 29 जनवरी 2026 को शाम लगभग 7 बजे उनके पति संजय कुमार अपने बेटे लवकुश के साथ मोटरसाइकिल संख्या UP41 AM 9677 से सूरतगंज बाजार से अपने घर वापस लौट रहे

थे। इसी दौरान वीकेपुर मजरे सूरतगंज पंप नहर के पास सामने से आ रही पिकअप वाहन संख्या UP41 AT 9124 के चालक ने तेज गति व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय कुमार और उनके पुत्र लवकुश गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सीएचसी सूरतगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने संजय कुमार को मृत घोषित कर दिया।

अखण्ड बुंदेलखंड के नौ सांसदो के पुतले फूके गए

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । बुंदेलखंड राज्य निर्माण का संघर्ष लम्बे समय से किया जा रहा। हर एक बुन्देली की भावना है की पृथक बुंदेलखंड राज्य शीघ्र बनाया जाए। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा लगातार उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के अखण्ड बुंदेलखंड क्षेत्र के नौ सांसदो से मांग की जा रही है कि बुंदेलियों की भावना के अनुसार प्रधानमंत्री के तीन साल के वादे की याद दिलवाने के लिए वार्ता कर बुंदेलखंड राज्य शीघ्र बनाए जाने की मांग करें। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय के नेतृत्व में अखण्ड बुंदेलखंड क्षेत्र के नौ सांसदो ने न तो प्रधानमंत्री से वार्ता कर उनका तीन साल का वादा याद दिलवाया और न ही लोक सभा में मांग उठाई। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा की अनेक बार की चेतावनी को अखण्ड बुंदेलखंड के सभी सांसद इसलिए नजरंदाज कर रहे क्योंकि

भ्रष्ट्राचार में वे लिप्त है इसलिए प्रधानमंत्री से वार्ता करने की हिम्मत ही नहीं कर पा रहे हैं*। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा ने निर्णय लिया है कि इन बुंदेलखंड राज्य विरोधी सांसदो के पुतले तो लगातार फूंके जाते रहेंगे साथ ही इन बुंदेलखंड राज्य विरोधी सांसदो का विरोध सड़को पर भी किया जाएगा।

स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों की स्मृति में कलेक्ट्रेट में 2 मिनट का मौन

बाराबंकी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में पूर्वाह्न 11ः00 बजे 2 मिनट का मौन धारण कर पुण्यात्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों का बलिदान राष्ट्र के लिए अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौन धारण कर देश की स्वतंत्रता हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) निरंकार सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) राज कुमार सिंह सहित कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री महोत्सव' का भव्य आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), बरेली में आज प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में "कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री महोत्सव" का भव्य आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षुओं में रचनात्मकता, सौंदर्यबोध तथा नवाचारी शिक्षण कौशल का विकास करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने

उद्बोधन में कहा कि कला एवं क्राफ्ट आधारित गतिविधियाँ शिक्षण को रोचक, प्रभावी एवं बालकेंद्रित बनाती हैं। पपेट्री (कठपुतली कला) जैसे माध्यम विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महोत्सव के दौरान शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न प्रकार की कलाकृतियाँ, हस्तशिल्प, शिक्षण सहायक सामग्री, लोककला आधारित मॉडल तथा आकर्षक कठपुतली प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित की गईं। पपेट शो के माध्यम से नैतिक मूल्यों, सामाजिक विषयों एवं शैक्षिक संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों के मूल्यांकन हेतु निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में बरेली कॉलेज, बरेली के संगीत विभाग से डॉ. अनीता जौहरी, शिक्षा विभाग से डॉ. अजिता सिंह तथा आर्ट एंड पेंटिंग विभाग से डॉ. विजय शंकर को आमंत्रित किया गया। संस्थान की ओर से सभी निर्णायक मंडल सदस्यों को प्रतीक चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में नृत्य में शिक्षिका बबिता गौतम (प्राथमिक विद्यालय कादरगंज, फरीदपुर), क्राफ्ट में शिक्षिका अर्चना गंगवार (उच्च प्राथमिक विद्यालय अमता बुधौली, भुता), गीत में शिक्षिका रुचि शर्मा (कंपोजिट विद्यालय पितांबरपुर, नवाबगंज) तथा पपेट प्रतियोगिता में शिक्षिका रुचि चौहान (प्राथमिक विद्यालय सरदार नगर, ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों सहित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

पत्रांक 1037/न०पा०प०टा०/2025-26 **दिनांक 30/01/2026**

अति अल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैस। लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर पत्र सं०-280/न०पा०प०टा०/2025-26 दिनांक 11.07.2025 के अन्तर्गत आमन्त्रित निविदा के सापेक्ष पर्याप्त वैध निविदा प्राप्त न होने पर 15वाँ वित्त आयोग मद के अन्तर्गत इच कार्यालय के पत्र संख्या 991/न०पा०प०टा०/2025-26 दिनांक 14.01.2026 के द्वारा 01 निर्माण कार्य की पुनः ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसमें पुनः कोई भी बिड प्राप्त न होने के कारण पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते पूर्ववत् रहेंगी। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1- कार्य का विवरण वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि दिनांक 31.01.2026 से दिनांक 07.02.2025 तक।

3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 07.02.2026 समय 12:00 बजे।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय दिनांक 07.02.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे।

5- निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है. जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।

6- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

कार्यालय. ग्राम पंचायत चंद्रसिहाली वि0 ख0 सूरतगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक मेमो/निविदा 2025 -26 **दिनांक 30/01/2026**

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत चंद्रसिहाली विकासखंड सूरतगंज जनपद बाराबंकी में वित्तीय वर्ष 2025- 26 हेतु मनरेगा/महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजना में ग्राम पंचायत में।

क्र.स.	कार्य का नाम	सामग्री विवरण
1	शरीफ के घर से आर सी सी तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	40 एमएम ईंट गिट्टी 27.73 घन मीटर, सीमेंट 165 बोरी , बालू 13.87 घन मीटर, मौरंग 11.77 घन मीटर, ईंटा अव्वल 12113 नग, 20 एम एम पत्थर गिट्टी 3.70 घन मीटर, 10 एम एम पत्थर गिट्टी 1.20 घन मीटर, इंटरलॉकिंग ईंट 6523 नग, लोकल बालू 13.25 घन मीटर, सरिया 5.42 कुंटल।
2	दिलीप के घर से रोड तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	40 एमएम ईंट गिट्टी 26.38 घन मीटर, सीमेंट 124 बोरी , बालू 13.20 घन मीटर, मौरंग 7.40 घन मीटर, इंटरलॉकिंग ईंटा 6768 नग , लोकल बालू 13.74 घन मीटर, 20 एम एम पत्थर गिट्टी 2.15 घन मीटर, 10 एम एम पत्थर गिट्टी 0.70 घन मीटर , अव्वल ईंटा 8045 नग, सरिया 3.17 कुंटल।

हेतु प्राप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष स्वीकृति प्राक्कलन के अनुसार निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री संदर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु इच्छुक फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र 31.01.2026 से 15.02.2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा उसी दिन दिनांक 15.02.2026 को दोपहर 1 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पंचायत भवन में स्थापित निविदा पेटी में डाली जाएगी तथा उसी दिन दोपहर 3 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम प्रधान/ ग्राम सचिव /निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी।

सुनीता देवी — प्रधान
विभा गुप्ता — सचिव

कार्यालय. ग्राम पंचायत बम्भनावा वि0 ख0 सूरतगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक मेमो/निविदा 2025 -26 **दिनांक 30/01/2026**

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बम्भनावा विकासखंड सूरतगंज जनपद बाराबंकी में वित्तीय वर्ष 2025- 26 हेतु मनरेगा/महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजना में ग्राम पंचायत में।

क्र.स.	कार्य का नाम	सामग्री विवरण
1	प्राथमिक विद्यालय मटेहना की प्रांगण में इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	सीमेंट 196 बोरी , मौरंग 7.45 घन मीटर , बालू 29.70 घन मीटर , महीन बालू 38.61 घन मीटर, 40 एमएम ईंट गिट्टी 59.40 घन मीटर, प्रथम श्रेणी ईंट 10664 नग , इंटरलॉकिंग ईंट 594 वर्ग मीटर।

हेतु प्राप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष स्वीकृति प्राक्कलन के अनुसार निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री संदर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु इच्छुक फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र 31.01.2026 से 15.02.2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा उसी दिन दिनांक 15.02.2026 को दोपहर 1 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पंचायत भवन में स्थापित निविदा पेटी में डाली जाएगी तथा उसी दिन दोपहर 3 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम प्रधान/ ग्राम सचिव / निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी।

सुशील कुमार — प्रधान
विपिन कुमार — सचिव

सूचना पर पहुंची पुलिस ढाई घंटे तक रेस्क्यू चला, इसके बाद महिला का शव को बाहर निकाला गया

महिला का मर्डर, लाश कुएं में फेंकी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में 27 साल की महिला की हत्या कर दी गई। शव को बोरे में भरकर कुएं में फेंक दिया। महिला एक हफ्ते से लापता थी। घटना का पता उस वक्त चला, जब गुरुवार को गांव के दो युवक ट्यूबवेल के पास से लकड़ी लेने गए। वहां बदबू आ रही थी। उन्हें कुएं के अंदर एक बोरा दिखाई दिया। शक होने पर पुलिस को सूचना दी गई। ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर पुलिस ने शव को बाहर निकाला। लाश फूलकर सड़ चुकी थी। बोरा भी गल चुका था। महिला की पहचान सीमा सरोज (27) के रूप में हुई। उसका पति दूसरी महिला के साथ लिवइन में रहता है। वारदात

सीमा, मृतक

फूलपुर थाना क्षेत्र के बलिकरनपुर गांव की है। फूलपुर थाना क्षेत्र के बलिकरनपुर गांव निवासी रणविजय सिंह का गांव से करीब 500 मीटर दूर एक ट्यूबवेल है। उसके पास ही एक कुआं है। ट्यूबवेल पिछले 10 साल से बंद है। गुरुवार शाम गांव के ही रहने वाले राकेश और राजेंद्र ट्यूबवेल के पास रखी लकड़ी लेने गए थे। कुछ दिन पहले उन्होंने लकड़ियां काटकर कुएं के पास रखी थीं। जब वे वहां पहुंचे तो लकड़ियां कुएं में गिरी हुई थीं। उन्हें निकालने की कोशिश के दौरान कुएं में एक बोरा दिखाई दिया। कुएं से बदबू भी आ रही थी। शक के आधार पर दोनों युवकों ने आसपास के लोगों को बुलाया। ट्यूबवेल मालिक रणविजय सिंह ने इसकी सूचना फूलपुर पुलिस को दी। सीमा की मां शांति ने बताया कि मेरे गांव में मिट्टी पड़ी थी। बिटिया हमारी मिट्टी देने आई थी। इसके बाद हम उसे ससुराल पहुंचा कर आए थे। जब दोबारा गांव गए तो सास, देवरानी और देवर उसे खोजने लगे। जबकि मेरी बेटी को सास, ससुर, देवरानी, देवर और पति ने मारा है।

ढाई घंटे बाद कुएं से निकली सड़ी लाश

पुलिस ने शव निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया। करीब 2.30 घंटे की मशक्कत के बाद सीढ़ी और रस्सी की मदद से शव को बाहर निकाला गया। बोरा खोलने पर महिला का शव मिला। आसपास के लोगों से पहचान कराई गई। महिला की पहचान बलिकरनपुर गांव की सीमा सरोज (35) के रूप में हुई। वह 22 जनवरी से लापता थी। गांव वालों ने बताया कि सीमा के गायब होने के बाद मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर उसे गायब करने का आरोप लगाया था। इसको लेकर गांव में पंचायत भी हुई थी। परिवार ने फूलपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

महिला की 17 साल पहले शादी, चार बच्चे

सीमा की शादी बलिकरनपुर निवासी अनिल गौतम से 17 साल पहले हुई थी। उसका मायका गौहानी, बहरिया में था। पति अनिल राजमिस्त्री का काम करता है। सीमा के चार बच्चे हैं। बड़ा बेटा कुलदीप (15), संदीप (12), सागर (8) और बेटी रंजना (6)।

महिला की डेडबॉडी मिलने के बाद घर पर जांच पड़ताल करने पहुंची पुलिस।

> फूलपुर थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया- मृतका सीमा की मां की तहरीर पर 5 नामजद और एक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है। इसमें ससुर संगम लाल, सास लालती देवी, देवर प्रदीप कुमार, देवरानी सीमा देवी, पति अनिल कुमार और एक अज्ञात शामिल है। पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

15 दिवसीय विशेष अभियान 'ऑपरेशन रक्षा' संचालित

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । आज दिनांक 29.01.2026 को मुख्यालय महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्गत पत्र संख्या वी०पा०ला०-एचसी-व-13/2023/71 दिनांक 07 जनवरी 2026 के क्रम में, श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार मानव तस्करी की रोकथाम, महिलाओं एवं बालिकाओं के संरक्षण, रेस्क्यू, विधिक कार्यवाही एवं पीड़ितों के पुनर्वास हेतु 15 दिवसीय विशेष अभियान "ऑपरेशन रक्षा" संचालित किया जा रहा है।

उक्त अभियान के अंतर्गत श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी श्री बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में बालश्रम अधिकारी श्री अरुण कुमार तिवारी, प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटी श्री कुलदीप तिवारी, एसजेपीयू प्रभारी श्री रामसनेही तिवारी, उ0नि0 श्री रामबाबू सचान,

उपनिरीक्षक श्री आनंद मोहन, हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार, महिला आरक्षी आरती सिंह, मिशन शक्ति महिला थाना से महिला आरक्षी आरती पाल एवं परवीन बेगम, तथा एनजीओ बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान से श्री विकास निरंजन के साथ समन्वय स्थापित कर एक संयुक्त टीम का गठन किया गया।

थाना नवाबाद एवं थाना सीपरी बाजार की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्रांतर्गत संचालित स्पा सेंटरों, मसाज पार्लरों, होटलों एवं ढाबों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान किसी प्रकार की कोई अवांछनीय अथवा अवैध गतिविधि प्रकाश में नहीं आई।

फास्ट न्यूज

राज चौहान हत्याकांड में 2 और एनकाउंटर

आगरा। राज चौहान हत्याकांड में पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। मुख्य आरोपी अरबाज के एनकाउंटर के बाद आगरा पुलिस ने गुरुवार रात दो जगहों पर हुई मुठभेड़ में 3 और आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। इनमें से 2 के पैर में गोली लगी है। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गुरुवार रात को पहला थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में हुआ।

बॉयफ्रेंड की मौत पर 2 बच्चों की मां का सुसाइड

कानपुर । बॉयफ्रेंड के आत्महत्या करने की जानकारी होने के बाद दो बच्चों की मां ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। महिला को सोशल मीडिया के जरिए बॉयफ्रेंड के सुसाइड के बारे जानकारी हुई थी। जिसके बाद उसने बॉयफ्रेंड के परिजनों से फोन कर जानकारी ली थी।

युवक के परिजन ने महिला को उसकी आत्महत्या का जिम्मेदार ठहराया था, जिसके बाद उसने अपने पति से कहा था कि मैं भी ऊपर चली जाऊंगी। शुक्रवार सुबह पति ड्यूटी पर गया, तभी महिला फंदे से लटक गई। सोकर उठे बेटे ने मां को लटकता देख पिता को जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर एलान के बाद किया था मर्डर

आगरा । आगरा में रंगबाज राज चौहान का मर्डर फिल्म में दिखाए जाने वाले गैंगवार की तरह था। इलाके में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया पर धमकी देने और अपने को बड़ा डॉन दिखाने के चलते मर्डर को अंजाम दिया गया। ट्रांस यमुना इलाके में नई उम्र के दो लड़के राज चौहान और अरबाज मंसूरी उर्फ शोएब, दोनों ही अपना दबदबा बनाना चाहते थे।

नववर्ष अभिनंदन समारोह जिला कोऑपरेटिव बैंक सभागार में आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी ।'फार्मेसिस्ट फेडरेशन उत्तर प्रदेश शाखा बाराबंकी द्वारा नववर्ष अभिनंदन समारोह 2026 जिला कोऑपरेटिव बैंक सभागार बाराबंकी में आयोजित किया गया।

आज ही फेडरेशन के प्रदेश संगठन मंत्री तथा राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद बाराबंकी के जिला अध्यक्ष डॉ आर पी सिंह विसेन का जन्मदिन भी बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी बाराबंकी डॉ डीके श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुनील यादव, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अतुल अवस्थी, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अर्चना श्रीवास्तव, कार्यवाहक जिला आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शीला देवी, परिसर के प्रदेश संरक्षक

डॉक्टर जय सिंह सचान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने आर पी सिंह बिसेन को शुभकामनाएं देते हुए संगठनों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अपर मुख्य शिक्षा अधिकारी डॉक्टर डीके श्रीवास्तव ने उपस्थित विभिन्न विधाओं के संगठनों के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आर पी सिंह बिसेन अपने कार्य क्षेत्र के अलावा समाज के हित में भी कार्य करते रहते हैं ।उन्होंने जनपद में सामाजिक संगठनों नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन, आरोग्य भारती की जिला शाखा का भी गठन कराया ।

कार्यक्रम के अंतर्गत रील, वीडियो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया

मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। आज दिनांक 30 जनवरी 2026 को बरेली कॉलेज, बरेली में मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगि-ताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के रूप में अजीत कुमार सिंह (पी.टी.ओ., परिवहन विभाग), प्रोफेसर डॉ. अनुपमा मेहरोत्रा (प्राचार्य, साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली) तथा प्रोफेसर डॉ. मनीषा राव (वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी राजकीय महिला महाविद्यालय, बरेली) ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिताओं में बरेली मंडल के चारों जनपदों— पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर एवं बरेली—के जनपद स्तर पर विजयी छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मंडल स्तरीय प्रतियो-

गिताओं के अंतर्गत सर्वप्रथम नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बरेली मंडल की टीम ने प्रथम स्थान, शाहजहांपुर जनपद की टीम ने द्वितीय स्थान तथा बदायूं जनपद की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बदायूं जनपद के कुणाल शर्मा ने प्रथम स्थान, शाहजहांपुर जनपद की अलवीरा यासीन खान ने द्वितीय स्थान तथा बरेली मंडल की कविता सागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतर्गत रील/वीडियो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बरेली जनपद के रोहन यादव ने प्रथम स्थान, बदायूं जनपद की उपासना ने द्वितीय स्थान तथा शाहजहांपुर जनपद की आराधना कालरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी राजकीय महिला महाविद्यालय, बरेली की सड़क सुरक्षा एवं यातायात समिति— प्रोफेसर अनुभूति, डॉ. पंकज अग्रवाल, श्री प्रद्युमन कुमार—का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश राय के निर्देशन से संपन्न

कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश राय के निर्देशन से संपन्न कराया गया। समस्त कार्यक्रम क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर सुधीर चौहान के संरक्षण एवं प्रोफेसर दीपा अग्रवाल, प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी, वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी राजकीय महिला महाविद्यालय, बरेली के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कानपुर के ड्रोन चोर, 4 महीने में 40 चोरियां कीं

कानपुर। कानपुर पुलिस ने चोरी करने वाले 3 भाइयों को अरेस्ट किया है। ये तीनों भाई रात में ड्रोन उड़ाकर रेकी करते थे। फिर मकान में चोरी करते। तीनों भाइयों ने कानपुर और कन्नौज जिलों में 4 महीने में करीब 40 चोरियां कीं। चोरी की रकम से एक लग्जरी कार खरीदी। 70 लाख रुपए की 2 प्रापर्टी खरीदी व एक मकान का निर्माण कराया। जबकि जेवर एक ज्वेलर्स को बेच दिए। अरेस्ट किए गए आरोपियों दो सगे भाई हैं। जबकि तीसरा फुफेरा भाई है। इनके पास से स्मार्ट वॉच, कान के झुमके, चांदी के सिक्के, सोने के कड़े, अंगूठी, लॉकेट, 176 नेपाली सिक्के, ड्रोन कैमरा, कटिंग प्लायर, गैस सिलेंडर मिला है। बिठूर थाने की पुलिस ज्वेलर्स की तलाश में दबिश दे रही है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने बताया कि मंधना के ग्राम बगदौधी निवासी चंद्रशेखर फतेहगढ़ स्थित पुलिस विभाग के वेतन भुगतान दफ्तर में बाबू के पद पर तैनात हैं।

उपलब्धियों के बल पर एक बार फिर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया

बालिका शिक्षा की मिसाल बनीं पूजा पाल, मुख्यमंत्री से मिला आशीर्वाद

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। होनहार बेटी एवं बाल वैज्ञानिक सिरौलीगौसपुर के अगेहरा गांव की पूजा पाल ने अपनी प्रतिभा, लगन और निरंतर उपलब्धियों के बल पर एक बार फिर जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है। बालिका शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहीं पूजा पाल ने राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पूजा पाल के साथ सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था 'घर आई नन्ही परी' की संस्थापक डॉ. एभा पटेल भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने पूजा पाल की अब तक की उपलब्धियों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि पूजा जैसी बेटियां न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज और प्रदेश के

लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने पूजा पाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान पूजा पाल के पिता पुती लाल एवं माता सुनीला देवी भी मौजूद रहीं। बेटी की सफलता पर मुख्यमंत्री ने परिवार को भी बधाई दी और कहा कि अभिभावकों का सहयोग ही बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। मुख्यमंत्री ने पूजा पाल को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे सरकारी शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित शिक्षक ही ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं, जो सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 'घर आई नन्ही परी' संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश में किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने संस्था की संस्थापक डॉ. एभा पटेल को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है।

> बताया गया कि 'घर आई नन्ही परी' संस्था द्वारा अब तक बालिका शिक्षा से जुड़ी 500 से अधिक सरकारी योजनाओं को प्रदेश के विभिन्न जिलों में सफलतापूर्वक पंजीकृत कराकर लागू कराया जा चुका है। बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे इस कार्य के कारण डॉ. एभा पटेल को आज "सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने वाली बेटी" के रूप में भी जाना जाता है।

नोंवा स्थापना दिवस दृष्टि बाधित बच्चों के साथ मनाया

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यरत पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब द्वारा बृजमोहन ब्लाइंड स्कूल, लोहिया नगर में संस्था का नोंवा स्थापना दिवस दृष्टि बाधित बच्चों के साथ केक काटकर भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक संवेदनशीलता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब द्वारा किए जा रहे निरंतर सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए, ताकि आने वाली

> अतिविशिष्ट अतिथि एवं पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। स्वच्छ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, इसलिए स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य मिल सके। इस अवसर पर पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब के निदेशक आयुष एवं पीयूष गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि क्लब का मुख्य उद्देश्य निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करना है। उन्होंने बताया कि अब तक क्लब द्वारा 10,000 से अधिक पौधारोपण किए जा चुके हैं तथा पर्यावरण, जल संरक्षण एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर 200 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आईएमए अध्यक्ष डॉ. मनीषा त्यागी ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जल संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

पृष्ठ 01 का शेष...

सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र ...

इसमें प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे शामिल हुए। मीटिंग आधे घंटे तक चली।

NCP (SP) के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि बुधवार को हुए प्लेन क्रैश से पहले NCP के दोनों पक्ष बातचीत के एडवांस्ड स्टेज पर पहुंच गए थे। जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के खत्म होने के तुरंत बाद विलय की घोषणा किए जाने का प्लान था।

अजित की रणनीति यह थी कि स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान माहौल का जायजा लिया जाए और पूरी तरह से विलय की घोषणा करने से पहले दोनों पार्टियों के वोट बैंक को मजबूत किया जाए। सूत्रों का कहना है कि विलय से कैबिनेट के गणित में मौलिक बदलाव आएगा। अगर विलय होता है, तो NCP (SP) के नेता राज्य के शासन और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस मर्जर को पश्चिमी महाराष्ट्र के शुगर बाउल पर फिर से कब्जा करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जहां BJP ने हाल के नगर निगम चुनावों में अहम पकड़ बनाई है।

शरद पवार ने 1999 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई थी। जुलाई 2023 में अजित पवार, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद NCP दो हिस्सों में बंट गई थी। उस समय उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी पवार उसी पद पर बने रहे।

अजित की जगह...

फडणवीस के पहले कार्यकाल (2014-2019) में वित्त मंत्रालय सुधीर मुनगंटीवार के पास था। सुधीर मुनगंटीवार अभी सिर्फ विधायक हैं लेकिन फडणवीस सरकार का हिस्सा नहीं है। उनके मंत्री बनने और फिर से वित्त मंत्रालय मिलने की संभावना बेहद कम है।

असम में 64-लाख...

असम के डिब्रूगढ़ में खानिकर परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर विदेशियों सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मान के प्रतीक के रूप में स्कार्फ पहना था, लेकिन राहुल ने इनकार कर दिया था।

शाह ने आगे कहा कि राहुल गांधी जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन जब तक बीजेपी सत्ता में है। हमारी पार्टी नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। आज, यह पुल देश भर में और विश्व स्तर पर एक नए भारत की सोच का एक शक्तिशाली प्रतिनिधित्व बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि असम से राज्यसभा सांसद मनमोहन सिंह 10 साल तक प्रधानमंत्री रहे, लेकिन यह पुल अधूरा ही रहा। असम के लोगों ने मोदी जी पर भरोसा किया और उनके नेतृत्व में यह पुल सिर्फ चार साल में पूरा हो गया।

शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने असम और उसके चाय उद्योग को बदनाम करने के लिए एक टूलकिट जारी किया था। उन्होंने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) से यह सुनिश्चित होगा कि असम की चाय यूरोपीय देशों में बिना किसी टैरिफ के भेजी जाएगी।

शाह ने कहा कि बीजेपी ने पिछले चुनावों में वादा किया था कि उसकी सरकार असम को बाढ़ मुक्त बनाएगी। इस दिशा में कदम 2026 के चुनावों से पहले ही उठाए जा चुके हैं। उन्होंने असम के मतदाताओं से अपील की कि रविकास, शांति, सुरक्षा, औद्योगिक और कृषि प्रगति सुनिश्चित करने और असम को घुसपैठ और बाढ़ से मुक्त बनाने के लिए लगातार तीसरी बार बीजेपी को चुनें।

असम से राज्यसभा ...

उन्होंने कहा, हालांकि, भारत में बहुत कम लोग जानते हैं कि बोगीबील पुल मिसिंग समुदाय के मेरे भाइयों और बहनों की कड़ी मेहनत और पसीने से बनाया गया था।

विमान की ...

सूत्रों के मुताबिक, जब विमान मुंबई के पास पहुंचा, तब केबिन प्रेशर में समस्या आ गई। इसके चलते कुछ यात्रियों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। हालात देखते हुए पायलट ने पहले मुंबई एयरपोर्ट से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी, लेकिन वहां से परमिशन नहीं मिली।

इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट से संपर्क किया। लखनऊ से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिलते ही विमान वापस लौट आया। करीब 82 मिनट में विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। खराबी दूर होने पर विमान जेद्दा के लिए रवाना हो गया।

विमान में केबिन प्रेशर आर्टिफिशियल एयर प्रेशर है, जिसे हवाई जहाज के अंदर बनाए रखा जाता है। इससे जब विमान 30,000 से 40,000 फीट की ऊंचाई पर होता है, तब भी लोगों को सांस लेने में दिक्कत नहीं होती। केबिन प्रेशर उस ऊंचाई में भी 6,000-8,000 फीट की ऊंचाई के बराबर वाला एयर प्रेशर बनाकर रखता है। इससे यात्री आसानी से सांस लेते रहते हैं।

15 जुलाई, 2025 को सऊदिया अरबिया एयरलाइंस के ही विमान में लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान खराबी आ गई थी। पहियों के पास से चिनगारी निकलने लगी थी। फ्लाइट एसवी-3112 की लैंडिंग के दौरान पहिए से चिनगारी और धुआं निकलने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए विमान को रोक दिया। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को सूचना दी। इस दौरान विमान में 242 हजयात्री बैठे हुए थे।

सूत्रों ने बताया कि विमान की लैंडिंग के समय पायलट ने उसके पहिये खोलकर विमान को रनवे पर उतारा, तभी उसके बाएं तरफ के पहिए में खराबी आ गई। यह खराबी हाइड्रोलिक सिस्टम में अचानक लीकेज होने की वजह से बताई जा रही है। इसी से तेज धुएं के साथ चिनगारी उठने से वहां हड़कंप जैसी स्थिति बन गई।

योगी 40 दिन में हिंद...

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री और जगद्गुरु रामभद्राचार्य घेराबंदी करके गोहत्या बंदी की मांग करने वालों पर तरह-तरह के हमले कर रहे। अगर आप सच में हिंदू हैं, तो गो-माता को राज्य माता घोषित करें। यूपी से गोमांस का निर्यात बंद करें, नहीं तो गैर हिंदू घोषित कर देंगे।

शंकराचार्य ने कहा- 10–11 मार्च को लखनऊ में सभी संत-महंत और आचार्य एकत्र हों। वहां यह तय किया जाएगा कि कौन हिंदू है, कौन हिंदू हृदय सम्राट है और किसे छद्म हिंदू या नकली हिंदू घोषित किया जाना चाहिए।

राजस्थान साध्वी ...

इसके बाद साध्वी से जुड़ा पुराना ब्लैकमेलिंग केस फिर चर्चा में आ गया है। वहीं, कई भक्तों ने उनके पिता की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

13 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर साध्वी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में वे एक व्यक्ति से गले मिलते नजर आ रही थीं। इसे अश्लील बताकर प्रचारित किया गया था।

साध्वी ने 16 जुलाई को बोरानाडा थाने में इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी एफआईआर में बताया था कि वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति उनके पिता वीरमनाथ (गुरुजी) हैं। यह वीडियो 2021 का था, जब वे अवसाद में थीं और पिता ने उन्हें ढांढस बंधाया था।

आश्रम के पास समाधि देने की तैयारी पूरी हो चुकी है।

समाधि को तैयार कर दिया गया है और ज्योत की गई है। समाधि के पास ही बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु मौजूद है। वहां भी भजन और मंत्रों का जाप किया जा रहा है।

साध्वी ने कहा...

मैं अपनी सच्चाई साबित करने के लिए अग्निपरीक्षा देने को तैयार हूं।

साध्वी के पुराने ...

जब साध्वी ने पैसे देने से इनकार किया, तो उन्होंने 13 जुलाई 2025 को वीडियो को एडिट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया।

सर्च करने पर लिखा आ रहा था- प्रोफाइल उपलब्ध नहीं, फैंस अनुष्का से वजह पूछ रहे थे

कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट 6 घंटे बंद रहा

गड़बड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट गुरुवार रात अचानक बंद हो गया था, जो करीब 6 घंटे बाद फिर से दिखाई देने लगा है। इस दौरान सर्च करने पर उनकी प्रोफाइल नहीं दिख रही थी और डायरेक्ट लिंक से भी अकाउंट नहीं खुल रहा था। गुरुवार रात करीब 2 बजे विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद होने की खबर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट ठीक किस

समय बंद हुआ था। कोहली के अकाउंट को खोलने पर स्क्रीन पर लिखा आ रहा था- यह पेज उपलब्ध नहीं है। उनके इंस्टाग्राम पर 274 मिलियन (27 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। विराट कोहली का अकाउंट गायब होने के बाद फैंस उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पोस्ट पर कमेंट कर के वजह पूछ रहे थे।

इस मामले में अब तक विराट, उनकी मैनेजमेंट टीम या इंस्टाग्राम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में यह साफ नहीं हो पाया है कि अकाउंट को जानबूझकर डीएक्टिवेट किया था या कोई तकनीकी गड़बड़ी थी। हाल के दिनों में कोहली की सोशल मीडिया गतिविधियां भी सीमित रही हैं। उन्होंने पहले कई प्रमोशनल पोस्ट हटाकर क्रिकेट और परिवार को प्राथमिकता देने के संकेत दिए थे।

18 जनवरी को शतक लगाया था

वनडे में विराट ने 18 जनवरी को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली थी। इस मुकाबले में कोहली ने 108 गेंदों पर 124 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। हालांकि, कोहली के शतक के बावजूद भारतीय टीम मैच जीतने में सफल नहीं हो सकी। विराट अब इंटरनेशनल क्रिकेट में 6 महीने बाद खेलते दिखेंगे। भारत की अगली निर्धारित वनडे सीरीज इंग्लैंड में इंग्लैंड के खिलाफ होगी। यह तीन मैचों की सीरीज 14 जुलाई से शुरू होगी, जिसके मुकाबले एजबेस्टन, कार्डिफ और लॉर्ड्स में खेले जाएंगे।

कोहली के नाम 85 इंटरनेशनल सेंचुरी

विराट कोहली के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 85 शतक दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में कोहली ने 123 मैचों की 210 पारियों में 9230 रन बनाए हैं, जिसमें 30 शतक शामिल हैं। 46.85 की औसत से खेलते हुए उनका सर्वोच्च स्कोर 254 नाबाद रहा है।

वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड और भी शानदार है, जहां 311 मैचों में 14797 रन के साथ उनके नाम 54 शतक हैं। 58.71 की औसत और 93 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट के साथ कोहली सीमित ओवरों के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

> **विराट कोहली सभी फॉर्मेट (टेस्ट+वनडे+टी-20) मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे प्लेयर हैं। उनके 559 मैच में 28215 रन हैं। पहले नंबर पर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं। तेंदुलकर के नाम 664 मैच में 34357 रन हैं।**

अनुष्का शर्मा से वजह पूछ रहे थे फैंस

विराट कोहली का अकाउंट गायब होने के बाद फैंस ने उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के इंस्टाग्राम पोस्ट्स पर कमेंट करना शुरू कर दिया था।

कई लोग सिर्फ प्रश्नवाचक चिन्ह (?) डालकर सवाल कर रहे थे, तो कुछ मजाकिया अंदाज में अपनी बात रख रहे थे।

साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 2 विकेट से हराया

क्विंटन डिकॉक ने 43 बॉल में जड़ा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज अपने नाम कर ली है। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मैच में क्विंटन डिकॉक के तूफानी शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने 222 रन का टारगेट आसानी से हासिल कर लिया। डिकॉक ने करीब तीन साल बाद घरेलू मैदान पर अपना पहला टी-20 इंटरनेशनल खेलते हुए सिर्फ 43 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। साउथ अफ्रीका ने यह मैच 15 गेंद शेष रहते जीत लिया। क्विंटन डिकॉक ने मैच की शुरुआत से ही कैरिबियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था। उन्होंने अपनी 115 रनों की पारी में 49 गेंदें खेलीं, जिसमें 10 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। डिकॉक ने महज 21 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और अगले 22 गेंदों में उसे शतक में बदल दिया। पूरी पारी के दौरान उन्होंने सिर्फ 8 डॉट

बॉल खेलीं। यह उनके टी-20 करियर का दूसरा शतक है। इसी के साथ उन्होंने टी-20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन भी पूरे कर लिए और फाफ डु प्लेसिस को पीछे छोड़कर साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। डिकॉक को दूसरे विकेट के लिए रायन रिकेल्टन का भरपूर साथ मिला। दोनों ने मिलकर महज 72 गेंदों में 162 रनों की साझेदारी की। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए रिकेल्टन ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेलते हुए 25 गेंदों में अर्धशतक जमाया। वे 77 रन बनाकर नाबाद रहे।

पीटी उषा के पति श्रीनिवासन का निधन

एथलीट से सांसद बनने तक के सफर में साथ रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी. श्रीनिवासन का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने घर पर अचानक गिर पड़े थे। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद खबर के बाद पीटी उषा से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पीएमओ के अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवार को ढांढस

बंधाया। श्रीनिवासन केंद्र सरकार के कर्मचारी थे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय पीटी उषा के खेल और राजनीतिक सफर को संवारने में लगाया। श्रीनिवासन को खेल जगत में पीटी उषा के 'पिलर ऑफ सपोर्ट' के रूप में जाना जाता था। उषा के एक एथलीट के रूप में शानदार करियर से लेकर आईओए अध्यक्ष बनने और राज्यसभा सांसद के रूप में उनके राजनीतिक सफर तक, श्रीनिवासन हर कदम पर उनके साथ रहे। वे अक्सर महत्वपूर्ण बैठकों और कार्यक्रमों में उषा के साथ देखे जाते थे। खेल जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि उषा की कई व्यावसायिक और पेशेवर उपलब्धियों के पीछे श्रीनिवासन की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ था। केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, 'राज्यसभा सांसद और आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा के पति श्री वी.श्रीनिवासन के निधन से अत्यंत दुख हुआ।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया, जोकोविच या सिनर से होगा खिताबी मुकाबला

अल्काराज ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज ने पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने चोट की परेशानी के बावजूद एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया।

रॉड लेवर एरिना में खेले गए इस मैराथन मैच में अल्काराज ने 5 घंटे 27 मिनट चले मुकाबले में 28 साल के जर्मन खिलाड़ी को 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से मात दी।

अब फाइनल में 6 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अल्काराज का सामना डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर या 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से होगा।

जीत के बाद अल्काराज ने कहा, मैं हमेशा कहता हूं कि हालात चाहे जैसे भी हों, खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी है। तीसरे सेट के बीच में मैं काफी संघर्ष कर रहा था और शारीरिक रूप से यह मेरे करियर के सबसे कठिन मुकाबलों में से एक था।

उन्होंने आगे कहा, मैं पहले भी ऐसे मैच खेल चुका हूं, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। मुझे इसमें दिल-जान लगा देनी थी। मैंने ऐसा ही किया और आखिरी गेंद तक लड़ता रहा। पांचवें सेट में जिस तरह से मैंने वापसी की, उस पर मुझे खुद पर बेहद गर्व है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव और अल्काराज के बीच इस मुकाबले से पहले कुल 12 मैच खेले गए थे, जिसमें दोनों ने 6-6 मैच जीते हैं। 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव ने ही अल्काराज को हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया था।

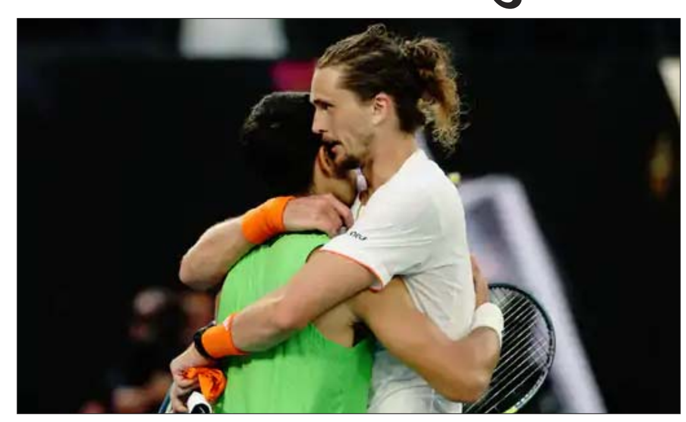

मैच के बाद अल्काराज को बधाई देते ज्वेरेव (सफेद टी-शर्ट में)।

अल्काराज ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 खिताब जीते, जो उस साल किसी भी खिलाड़ी में सबसे ज्यादा थे। इसमें फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन जैसे दो ग्रैंड स्लैम खिताब भी शामिल हैं। उन्होंने लगातार 17 ATP मास्टर्स मैच जीते और 9 टूर्नामेंटों के फाइनल में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स फाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना एलिना रायबकिना से होगा। यह मैच रॉड लेवर एरिना में 31 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से खेला जाएगा। टॉप सीड सबालेंका ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन की विमेंस सिंगल कैटेगरी के सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया।

मनोरंजन

आलिया भट्ट ने किया नई फिल्म का एलान, थिएटर नहीं ओटीटी पर मचेगा धमाल

'डोन्ट बी शाय'

नई दिल्ली, एजेंसी

जिगरा के बाद आलिया भट्ट बतौर प्रोड्यूसर अपनी अगली फिल्म लाने के लिए तैयार है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है। यह फिल्म थिएटर नहीं बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी-प्राइम वीडियो पर। आइए जानते हैं क्या है फिल्म की कहानी और इसके बारे में डिटेल।

आलिया भट्ट प्राइम वीडियो की ओरिजिनल फिल्म 'डोंट बी शाय' एक 20 साल की लड़की की कहानी है। भट्ट के प्रोडक्शन हाउस, इटरनल सनशाइन और उनकी बहन शाहीन के साथ मिलकर बनी यह फिल्म एक ऐसी युवा महिला की कहानी है,

जिसे लगता है कि उसने अपनी जिंदगी की पूरी प्लानिंग कर ली है, लेकिन कहानी में तहब बड़ा मोड़ आता है जब सबकुछ उसके कंट्रोल से बाहर हो जाता है। आलिया भट्ट ने एक प्रेस स्टेटमेंट में इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की और कहा, 'एटर्नल सनशाइन में, हम हमेशा ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो सच्ची लगें और ऐसी आवाजों को जो अपनी हों। यह फिल्म अपनी ईमानदारी और कमिंग-ऑफ-एज नजरिए की वजह से हमें तुरंत पसंद आ गई और श्रीति के पैशन और एनर्जी ने स्वाभाविक रूप से कहानी की भावना को और मजबूत किया।

आलिया ने क्यों चुनी ये फिल्म

यह मेरे और एटर्नल सनशाइन के लिए एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है और प्राइम वीडियो के साथ, हमें ऐसे पार्टनर मिले जो लगातार बोल्ड क्रिएटिव फैसले लेते हैं और असल में अलग तरह की कहानी कहने का सपोर्ट करते हैं, जो विचारों का एक स्वाभाविक मेल लगा, और इस कहानी के लिए अपने दर्शकों तक पहुंचने के लिए यह सही जगह थी।

इस फिल्म को आलिया ने मजेदार तरीके से अनाउंस किया है। उन्होंने शाहीन के साथ एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वे बता रही हैं आखिर उन्होंने इस फिल्म को क्यों चुना। वीडियो में आलिया ने 'शाय' का लुक और फिल्म का टाइटल भी अनाउंस कर दिया है।

एटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंस के बैनर तले आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट द्वारा प्रोड्यूस और ग्रिश्मा शाह और विकेश भूटानी द्वारा को-प्रोड्यूस की गई इस फिल्म को श्रीति मुखर्जी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसके बारे में और ज्यादा डिटेल जल्द ही सामने आएंगी।

'मेरी घर की खिड़की पर आज भी लिखा है आपका नाम'

दीप्ती नवल ने दी अनूप सोनी को जन्मदिन की खास बधाई

फिल्म 'चश्मे बद्दूर' की अभिनेत्री दीप्ति नवल ने आज 'क्राइम पेट्रोल' शो के सबसे मशहूर होस्ट अनूप सोनी को उनके जन्मदिन पर खास बधाई दी है। दीप्ती ने सोशल मीडिया पर अनूप के साथ एक तस्वीर शेयर की और अपने दोस्त के लिए एक प्यारा नोट भी लिखा। दीप्ती ने आज इंस्टाग्राम पर अनूप सोनी के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की है। इस प्यारी तस्वीरे के साथ दीप्ती ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे प्यारे अनूप, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके साथ ही दीप्ती ने एक किस्सा याद करते हुए लिखा, 'आज मैं आपका जन्मदिन भूली नहीं हूं, क्योंकि यहां मेरे घर की कांच की खिड़की पर काले मार्कर से साफ-साफ लिखा है, 30 जनवरी - अनूप सोनी का जन्मदिन।' आगे दीप्ती ने लिखा, 'मेरे प्यारे दोस्त, मैं आपके लिए खुशियां, शांति और ढेर सारी खुशियों की कामना करती हूं।' अनूप सोनी प्रसिद्ध अभिनेता और टीवी एंकर हैं। उन्हें खास तौर पर क्राइम पेट्रोल शो की मेजबानी के लिए जाना जाता है। अनूप ने राज बब्बर की बेटी जूही बब्बर से शादी की है और उनके दो बच्चे हैं। बेटियों के नाम- जोया और मायरा (पहली पत्नी से) और इमान (जूही बब्बर के साथ)। क्राइम पेट्रोल के कई सीजन में उनके द्वारा एंकरिंग ने इसे एक बेहद लोकप्रिय शो बना दिया है, जो वास्तविक जीवन की अपराध घटनाओं पर आधारित है।

5 साल बाद इस हॉरर कॉमेडी का सीक्वल लेकर आ रहे प्रियदर्शन

कट गया सैफ अली खान और अर्जुन कपूर का पत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडिज, यामी गौतम और जावेद जाफरी स्टारर फिल्म भूत पुलिस को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। 5 साल पहले रिलीज हुई इस हॉरर कॉमेडी को फ्रेंचाइजी में बदलने का प्लान किया जा रहा है। इसका जिम्मा प्रियदर्शन को सौंपा गया है। ओरिजनल फिल्म को पवन कृपलानी ने डायरेक्ट किया था लेकिन अब ये जिम्मेदारी ओजी डायरेक्टर को सौंपी गई है। इससे ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में कुछ मजेदार झलक और भरपूर मनोरंजन होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार फिल्म निर्माता प्रियदर्शन को भूत पुलिस 2 के निर्देशन के लिए साइन किया गया है। खबरों के मुताबिक वे इस प्रोजेक्ट के लिए 21

करोड़ रुपये फीस लेंगे। पिंकविला ने लिखा, हालांकि सीक्वल हॉरर-कॉमेडी की मूल को बरकरार रखेगा, लेकिन कास्टिंग में पूरी तरह बदलाव देखने को मिलेगा। सैफ अली खान और अर्जुन कपूर दूसरे भाग में वापसी नहीं करेंगे। इसके बजाय, निर्माता एक नई जोड़ी को लाने की योजना बना रहे हैं जो इस फ्रेंचाइज में नई ऊर्जा जोड़ सके। हालांकि कास्टिंग को लेकर अभी कुछ निर्णय नहीं लिया गया है। मेकर्स इसके लिए दो एक्टर एक सीनियर और एक जूनियर को कास्ट करने का प्लान कर रहे हैं। अभी मूवी के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है, कास्ट के फाइनल होते ही ये इस साल के अंत में फ्लोर्स पर आ जाएगी। भूत पुलिस के सीक्वल के अलावा, फिल्म निर्माता अपनी मलयालम फिल्म ओप्पम के रीमेक हैवान और हेरा फेरी 3 पर भी काम कर रहे हैं।

प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह का दावा- फिल्म फ्लॉप होने के बाद एक्टर ने फीस लौटाने से किया था मना

'अक्षय कुमार मनी माइंडेड हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर शैलेन्द्र सिंह ने एक्टर अक्षय कुमार को लेकर कहा कि वह मनी माइंडेड हैं। वह पहले बिजनेसमैन हैं और बाद में एक्टर हैं।

शैलेन्द्र सिंह ने यह बात हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन को दिए एक इंटरव्यू में कही। इंटरव्यू में शैलेन्द्र ने साल 2009 की फिल्म 8 x 10 तस्वीर से जुड़ा अपना अनुभव शेयर। उन्होंने यह कहा कि इस फिल्म की असफलता के बाद उन्होंने फिल्म बनाना छोड़ दिया था। शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि उनका बयान किसी निजी नाराजगी पर आधारित नहीं है। उन्होंने बताया कि अक्षय एक अच्छे इंसान हैं और दोनों के बीच रिश्ता ठीक था। उन्होंने बताया कि वे साथ में खेल भी खेलते थे। शैलेन्द्र ने कहा कि

जब उन्हें अक्षय के साथ फिल्म बनाने का मौका मिला, तो वे बहुत खुश थे। उन्होंने बताया कि फिल्म 8 x 10 तस्वीर उस समय बनी थी जब अक्षय कुमार और डायरेक्टर नागेश कुकुनूर दोनों अपने करियर के अच्छे दौर में थे। शुरुआत में यह फिल्म 30 से 35 करोड़ रुपए के बजट में बनाई जानी थी। शूटिंग के लिए मुनार की जगह तय की गई, लेकिन अक्षय के व्यस्त शेड्यूल की वजह से प्लानिंग बदलती चली गई।

शैलेन्द्र ने कहा, "मुनार से हम कैलगरी गए, फिर केप टाउन गए और उसके बाद कई दूसरी जगहों पर शूटिंग हुई।" उन्होंने बताया कि बार-बार लोकेशन बदलने से फिल्म का बजट काफी बढ़ गया। यह फिल्म अक्षय की सुपरहिट फिल्म सिंह इज किंग के तुरंत बाद रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म पूरी तरह फ्लॉप रही।

शैलेन्द्र ने आगे कहा कि अक्षय पैसे के मामले में बहुत स्ट्रेटजी से काम करते हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत के दौरान उनकी फीस धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। शैलेन्द्र के अनुसार, "पहले 15 करोड़ रुपए होते हैं, फिर 21 करोड़ रुपए, फिर 27 करोड़ रुपए और बाद में अचानक 36 करोड़ रुपए हो जाते हैं। यह उनका लकी नंबर 9 है।"

फिल्म के फ्लॉप होने के बाद शैलेन्द्र ने अक्षय से उनकी फीस का कुछ हिस्सा वापस करने की बात कही। उन्होंने कहा, "मैंने उनसे कहा कि भाई, आपकी फिल्म देखने कोई नहीं आया। आपको भी कुछ जिम्मेदारी लेनी होगी। आपने मुझसे बहुत पैसे लिए हैं।"

शैलेन्द्र के मुताबिक, अक्षय ने पैसे लौटाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ भी पैसे वापस नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने फिल्म बनाना बंद कर दिया।

देशभर में बढ़ी फ्रेडरिक्स की लोकप्रियता, अब सर्वे में पार्टी को 9 सीटों का फायदा

डेनमार्क की पीएम ने ट्रम्प को झुकने को मजबूर किया

फायदा

कोपनहेगन, एजेंसी

ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर अमेरिका और डेनमार्क के बीच विवाद का फायदा डेनिश पीएम मेट फ्रेडरिक्सन को मिला है। अमेरिकी वेबसाइट द पोलिटिको ने लिखा है कि फ्रेडरिक्सन को राष्ट्रपति ट्रम्प को शुक्रिया कहना चाहिए क्योंकि उन्होंने उन्हें गहराते राजनीतिक संकट से बाहर निकाल लिया है।

फ्रेडरिकसन की पार्टी के पॉपुलैरिटी में काफी उछाल आया है। सर्वे में सोशल डेमोक्रेट्स को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिख रही थीं। यानी एक ही महीने में पार्टी की स्थिति में करीब 9 सीटों का उछाल आया है। पिछले साल नवंबर 2025 में सोशल डेमोक्रेट पार्टी लोकल चुनाव हार गई थी। सबसे बड़ा झटका कोपेनहेगन में लगा, जहां पार्टी ने 100 साल में पहली बार सत्ता गंवा दी।

मेटे फ्रेडरिक्सन जून 2019 से डेनमार्क की प्रधानमंत्री हैं। वे डेनमार्क की सबसे युवा प्रधानमंत्री भी हैं।

जनवरी की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि वे किसी भी तरीके से ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेंगे। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है। ट्रम्प इस पर कब्जा करने की धमकी पहले भी दी जाती रही थी, लेकिन वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद यह और गंभीर लगने लगी।

स्थिति तब बदलनी शुरू हुई, जब ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को डेनमार्क से छीनकर अपने में मिलाने की धमकी दी। इसके जवाब में डेनमार्क की प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने खुलकर देश की संप्रभुता का बचाव किया।

100 साल में पहली बार राजधानी में हारी पार्टी

समर्थन में आई यह बढ़त इसलिए और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि नवंबर में हुए नगर निगम चुनावों में सोशल डेमोक्रेट्स को करारी हार मिली थी। इस चुनाव में पार्टी ने कोपेनहेगन गंवा दिया था, जो बेहद अहम सीट थी और जिसे पार्टी ने पिछले 100 सालों में कभी नहीं खोया था।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोक्के रासमुसेन के नेतृत्व वाली मॉडरेट्स पार्टी ने इस सर्वे में अपना वोट शेयर लगभग तीन गुना कर लिया। पार्टी का वोट 2.2% से बढ़कर 6.4% हो गया। यह करीब 12 सीटों के बराबर है।

वहीं एक और एजेंसी वॉक्समीटर के सोमवार को जारी सर्वे में फ्रेडरिकसन की कैबिनेट को 40.9% समर्थन मिला, जो दो साल में सबसे ऊंचा स्तर है। अगर आज चुनाव होते हैं तो गठबंधन के 73 सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है।

गठबंधन की सरकार चला रहीं फ्रेडरिक्सन

डेनमार्क में संसद में कुल 179 सीटें हैं, इनमें से प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन की सोशल डेमोक्रेट्स के पास 50 सीटें हैं। सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट पार्टी इस समय देश में गठबंधन सरकार चला रही है। इस गठबंधन में दो सेंटर-राइट पार्टियां मॉडरेटर्स और वेनस्टर भी शामिल हैं।

मेगाफॉन नाम की एक डेनिश कंसल्टेंसी के सर्वे में सोशल डेमोक्रेट पार्टी को 22.7% वोट और संसद की 41 सीटें मिलीं। यह सर्वे 20 से 22 जनवरी के बीच किया गया। दिसंबर में हुए सर्वे में फ्रेडरिकसन की पार्टी को सिर्फ 32 सीटें मिलती दिखाई गई थीं। ताजा सर्वे दिखाते हैं कि 41 सीटों के साथ भी वे संसद की सबसे बड़ी पार्टी बनी रहेंगी। इससे वे फिर से गठबंधन सरकार बनाने की बातचीत में सबसे मजबूत स्थिति में आ जाएंगी, हालांकि सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

बिना शादी सेक्स और शराब पीने पर तालिबानी सजा

इंडोनेशिया में प्रेमी जोड़े को मारे गए 140 कोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

गुरुवार को इंडोनेशिया एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जहां- आचे प्रांत में शरिया पुलिस ने एक प्रेमी जोड़े को शादी से पहले यौन संबंध बनाने और शराब पीने के लिए तालिबानी सजा दी है।

दरअसल, बिना शादी किए शारीरिक संबंध बनाने और शराब पीने के आरोप में पुलिस ने एक प्रेमी जोड़े को 140-140 बार कोड़े मारे। यह सजा इस्लामी कानून लागू होने के बाद पिछले 25 वर्षों में दी गई सबसे कठोर सजाओं में से एक है।

बता दें कि इंडोनेशिया का आचे एकमात्र ऐसा प्रांत है, जहां शरिया कानून लागू है और यहां अविवाहित जोड़ों को शारीरिक संबंधन बनाना पूरी तरह गैर कानूनी है। कठोर इस्लामी कानूनों द्वारा शासित आचे क्षेत्र में हुई इस क्रूर पिटाई के कारण महिला रोने लगी और बेहोश हो गई।

न्यूज एजेंसी एफपी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रेमी जोड़े को सार्वजनिक रूप से पीठ पर बांस की पतली छड़ी से मारा गया। शरिया पुलिस ने इस कपल को 140-140 बार बांस की पतली छड़ी से मारा। जब कपल को सजा दी जा रही थी, तो वहां दर्जनों ललोग मौजूद थे। जोड़ों को 100-100 कोड़े बिना शादी के यौन संबंध बनाने और 40-40 कोड़े शराब पीने के लिए मारे गए।

गौरतलब है कि 2001 में इंडोनेशिया के अंदर आचे को विशेष स्वायत्तता दी गई थी। इसके बाद यहां शरिया कानून लागू हो गया।

फास्ट न्यूज

क्रैश हुई चांदी, 67,000 गिरकर 3.32 लाख पर आई

नई दिल्ली। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में आज यानी 30 जनवरी को गिरावट है। प्रॉफिट बुकिंग के कारण MCX पर चांदी 67 हजार रुपए (17%) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 3.32 लाख रुपए पर आ गया। हालांकि अभी इसमें थोड़ी रिकवरी है और ये 12% गिरकर 3.51 लाख पर है। MCX पर सोने में भी आज 15 हजार रुपए (9%) की गिरावट है।

क्यूबा को तेल देने वालों पर टैरिफ लगाएगा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बदलना चाहते हैं। इसके लिए ट्रंप ने एक बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने क्यूबा को तेल देने वाले देशों के खिलाफ टैरिफ लगाने की बात कही है।

डोनल्ड ट्रंप ने अमेरिकी प्रशासन को निर्देष दिए हैं कि उन देशों के सामान पर टैरिफ लगाया जाए, जो क्यूबा को तेल बेच रहे हैं। ट्रंप ने इसके लिए एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर भी साइन कर दिए हैं, जिससे यह पता लगाया जाएगा कि कौन-कौन से देश क्यूबा को तेल बेच रहे हैं।

एपल की पहली-तिमाही में 13.22 लाख करोड़ की रिकॉर्ड कमाई

नई दिल्ली। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एपल ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (Q1 2026) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी ने इस दौरान 143.8 बिलियन डॉलर (करीब ₹13.22 लाख करोड़) का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो पिछले साल के मुकाबले 16% ज्यादा है।

आर्थिक सर्वे में 'मुफ्त की रेवड़ियों' पर

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में 29 जनवरी को पेश इकोनॉमिक सर्वे में राज्यों की ओर से बांटी जा रही 'मुफ्त की रेवड़ियों' पर चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये योजनाएं राज्यों के खजाने को खाली कर रही हैं। इससे स्कूल, अस्पताल और सड़कों के लिए बजट कम पड़ रहा है।

इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023 से 2026 के बीच बिना शर्त कैश ट्रांसफर करने वाले राज्यों की संख्या 5 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। चिंता की बात यह है कि इनमें से लगभग आधे राज्य पहले से ही राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं और कर्ज ले रहे हैं।

सर्वे में देश के लोगों की शारीरिक और मानसिक सेहत पर भी ध्यान दिया गया है। सर्वे में जंक फूड की बढ़ती खपत पर चिंता जताई गई है। साथ ही सुझाव दिया गया है कि जंक

फूड के विज्ञापनों पर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक पाबंदी लगाई जानी चाहिए। सर्वे में यह माना गया है कि कैश ट्रांसफर से गरीब परिवारों को तुरंत राहत मिलती है। महिला कैजुअल लेबर्स के लिए यह उनकी मासिक आय का 24% तक हिस्सा है। कुछ राज्यों में तो खुद का काम करने वाली महिलाओं की आय का यह 87% हिस्सा है। हालांकि सर्वे ने एक बड़ा रिस्क भी बताया है। अगर बिना शर्त मिलने वाले पैसे की योजनाओं को स्किल डेवलपमेंट से नहीं जोड़ा गया तो काम करने की इच्छा में कमी आ सकती है।

800% तक खर्च कम होगा, 16 कंपनियों से समझौता, बदले में 3 साल का टैरिफ छूट दिया

अमेरिका में सस्ती दवाओं के लिए वेबसाइट लॉन्च करेंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ट्रम्प प्रशासन इस महीने 'ट्रम्प Rx' नाम की एक नई सरकारी वेबसाइट लॉन्च करने जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए मरीज दवा कंपनियों से सीधे कम दामों पर दवाएं खरीद सकेंगे। प्रशासन का दावा है कि इस पहल से अमेरिकी लोगों के दवा खर्च को 800% तक कम किया जाएगा।

यह योजना चुनावी वादों और 'अमेरिका फर्स्ट' हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी मानी जा रही है। ट्रम्प का कहना है कि दूसरे अमीर देश अमेरिका में बनी दवाइयां कम कीमत पर खरीदते हैं, जबकि अमेरिकियों को इसके लिए तीन गुना ज्यादा कीमत चुकाना पड़ता है। यह

प्रोग्राम सुनिश्चित करेगा कि दवा कंपनियां उसी दाम पर दवा बेचे जो बाकी देशों में मिल रही है।

ट्रम्प का मानना है कि अमेरिकी लोगों के पैसे से ही नई दवाइयां बनती हैं। दूसरे देश कम पैसा देकर इसका फायदा उठाते हैं। ट्रम्प के मुताबिक वह अमेरिका की मेहनत पर 'फ्री राइड' करते हैं।

इसलिए इस MFN प्रोग्राम में फैसला किया गया है कि अब अमेरिका में भी दवा की कीमत सबसे कम होगी जो किसी अमीर देश में मिलती है। कंपनियों से

अमेरिकी रेडियो एनपीआर की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल सितंबर से अब तक 16 बड़ी दवा कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। इन समझौतों को 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' डील्स कहा गया। बदले में दवा कंपनियों को 3 साल तक इम्पोर्टेड दवाओं पर टैरिफ से छूट मिलेगी।

कहा गया कि अमेरिका को भी वही सस्ती डील दो। इससे विदेशी देशों को भी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी, जैसे ब्रिटेन के साथ हुए समझौते में नई दवाओं की कीमत 25% बढ़ाई गई है। अमेरिकी मरीजों को दवाएं सस्ती मिलेंगी, कंपनियों का एक्स्ट्रा पैसा अमेरिका वापस

ट्रम्प प्रशासन मरीजों को दवा वेबसाइटों के जरिए पहुंचाएगी।

अमेरिकी कंपनियां को कम कीमतों पर दवा बेचना होगा

अमेरिकी कंपनियां दवाओं के रिसर्च, टेस्टिंग, फैक्ट्री करोड़ों-खरबों रुपये खर्च करती है। दुनिया भर में यह दवा बेची जाती है। अमेरिका में यह दवा बहुत महंगी है, जबकि यूरोप, कनाडा, जापान जैसे अमीर देशों में वही दवा बहुत सस्ती मिलती है। दरअसल, उन देशों की सरकार कम कीमत पर दवा खरीदने की मांग करती है और ऐसा न करने पर डील रोकने का खतरा रहता है। बाजार खोने के डर से कंपनियां कम कीमत में दवाइयां मुहैया करवाती है।

निवेश में बैंक-टेक कंपनियां भी शामिल, 18 साल के होने पर पढ़ाई-बिजनेस में इस्तेमाल कर सकेंगे

अमेरिका में जन्मे बच्चों को 92 हजार देंगे ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से 1,000 डॉलर (92 हजार रुपए) दिए जाएंगे। यह रकम बच्चों के नाम से खोले जाने वाले एक स्पेशल अकाउंट में जमा की जाएगी। यह योजना पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुरू की थी। अब इसे अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों का समर्थन मिलने लगा है।

इस योजना को 'ट्रम्प अकाउंट' कहा जाता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह एक टैक्स-फ्री सेविंग अकाउंट होगा, जिसमें सरकार बच्चों के भविष्य के लिए शुरुआती निवेश करेगी। इस खाते में जमा रकम शेयर बाजार में निवेश की जाएगी ताकि

समय के साथ यह बढ़ सके। इस योजना का लाभ उन बच्चों को मिलेगा जो 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2028 के बीच अमेरिका में पैदा होंगे। इससे हर साल करीब 36 लाख नवजात बच्चों को फायदा होगा।

इसका मकसद बच्चों को जन्म से ही वित्तीय शुरुआत देना और लंबे समय तक निवेश के जरिए धन बढ़ाना है। ताकि वे 18 साल की उम्र में पढ़ाई, बिजनेस शुरू करने, घर खरीदने या अन्य जरूरतों के लिए फंड का इस्तेमाल कर सकें।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 दिसंबर, 2025 को व्हाइट हाउस में डेल टेक्नोलॉजीज के सीईओ माइकल डेल और उनकी पत्नी सुसान डेल के साथ ट्रम्प अकाउंट की घोषणा थी।

समर्थक बोले- इससे गरीब बच्चों को भी अमेरिका की संपत्ति का हिस्सा मिलेगा

समर्थकों का कहना है कि इससे ज्यादा लोग स्टॉक मार्केट से जुड़ेंगे और गरीबी में जन्मे बच्चों को भी अमेरिका की संपत्ति का हिस्सा मिलेगा। यह पूंजीवाद को बढ़ावा देगा, खासकर जब समाजवादी विचार बढ़ रहे हैं। निवेशक ब्रैड गर्स्टनर ने कहा, 'सोशलिज्म का जवाब पूंजीवाद है, इससे हर बच्चा जन्म से ही कैपिटलिस्ट बन जाता है।₹ 2022 में केवल 58% अमेरिकी घरों के पास स्टॉक या बॉन्ड थे और सबसे अमीर 1% के पास आधे से ज्यादा मूल्य था। इससे पहले कैलिफोर्निया, कनेक्टिकट और वॉशिंगटन डीसी जैसे जगहों पर 'बेबी बॉन्ड्स' जैसे कार्यक्रम चल रहे थे, लेकिन वे सिर्फ गरीब या फोस्टर केयर बच्चों के लिए थे।'

ट्रम्प बोले- हमारी सरकार हर बच्चे को आर्थिक आजादी दे रही है

ट्रम्प ने कहा, हर राष्ट्रपति ने हमारी अगली पीढ़ी को सिर्फ कर्ज दिया है, लेकिन हमारी सरकार हर बच्चे को असली संपत्ति और आर्थिक आजादी का मौका देगी।₹ उन्होंने नियोक्ताओं से अपील की कि वे अपने कर्मचारियों के लिए ट्रम्प अकाउंट में योगदान दें।

92 हजार केवल ट्रम्प प्रशासन के दौरान जन्मे बच्चों को मिलेगा। बच्चे के माता-पिता की इमिग्रेशन स्थिति कोई मायने नहीं रखती, कोई भी पैरेंट अकाउंट खोल सकता है। बड़े बच्चों के लिए अकाउंट खोला जा सकता है, लेकिन उन्हें राशि नहीं मिलेगा।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर, विदेशी वस्तुएं महंगी होंगी

डॉलर के मुकाबले 27 पैसे गिरकर 91.96 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले ऑल टाइम लो पर पहुंच गया है। आरबीआई के मुताबिक, गुरुवार (29 जनवरी) को 1 डॉलर के मुकाबले रुपया 27 पैसा गिरकर 91.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी निवेशकों (FPI) की लगातार बिकवाली और वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापारिक तनाव की वजह से रुपए में यह गिरावट देखी जा रही है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था। अब महज 29 दिन के भीतर यह 92 के स्तर के करीब आ गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और ग्लोबल टेंशन के चलते दुनियाभर के निवेशक गोल्ड और डॉलर में निवेश बढ़ा रहे हैं। विदेशी

निवेशकों की बाजार से निकासीः विदेशी निवेशक (FPI) भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना पैसा निकाल रहे हैं। जनवरी 2026 के पहले 20 दिनों में ही उन्होंने 29,315 करोड़ की बिकवाली की है। जब ये निवेशक अपना पैसा वापस ले जाते हैं, तो वे रुपए के बदले डॉलर की मांग करते हैं। डॉलर की मांग बढ़ने से उसकी कीमत बढ़ जाती है और रुपया गिर जाता है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियां और वैश्विक तनावः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यूरोपीय देशों पर नया टैक्स (टैरिफ) लगाने की धमकी और 'ग्रीनलैंड' विवाद की वजह से दुनिया भर के बाजारों में अनिश्चितता का माहौल है।

डील : चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए जमीन दी, बांग्लादेश को 20 चीनी फाइटर जेट मिलेंगे

बांग्लादेश ने भारत से छीना स्पेशल इकोनॉमिक जोन

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने चटगांव में भारत को दी गई सेज (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) का भूमि आवंटन रद्द कर दिया गया है। यूनुस सरकार ने यह जमीन चीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए दे दी है। लगभग 850 एकड़ में फैली इस जमीन में इस साल के अंत तक प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। चीन ड्रोन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने को भी राजी हो गया है। यहां मीडियम रेंज और वर्टिकल लिफ्ट वाले ड्रोन बनेंगे। चटगांव प्लांट भारतीय सीमा से 100 किमी दूर है। बांग्लादेश

दक्षिण एशिया में भारत-पाकिस्तान के बाद ड्रोन बनाने वाला तीसरा देश बन जाएगा।

इसका मकसद द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना, भारतीय निवेश आकर्षित करना, रोजगार सृजन करना और बांग्लादेश में भारतीय कंपनियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करना था। 2019 में BEZA और अडाणी पोर्ट्स एंड SEZ के बीच MoU साइन हुआ था और भारत ने $115 मिलियन LoC से समर्थन दिया था। भारतीय निवेशकों को प्राथमिकता

10 साल पहले भारत को जमीन मिली थी

भारत और बांग्लादेश के बीच 2015 में एक समझौता हुआ था। पीएम मोदी की ढाका यात्रा के दौरान शेख हसीना के साथ संयुक्त घोषणा में भारत के निवेशकों के लिए एक इंडियन इकोनॉमिक जोन (IEZ) स्थापित करने का फैसला लिया गया। यह गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (G2G) फ्रेमवर्क पर था, जिसमें भारतीय निवेशकों को प्राथमिकता मिलती और भारत की लाइन ऑफ क्रेडिट (LoC) से फंडिंग होती।

इसके लिए चटगांव के मीरसाराई में लगभग 850 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। एक और दूसरा छोटा इकोनॉमिक जोन मोंगला (बागेरहाट) में भी प्रस्तावित था।

मिलती है। भारतीय कंपनियां SEZ में आसानी से फैक्टरियां लगा सकती हैं, जहां टैक्स छूट, ड्यूटी-फ्री आयात (कच्चे माल, मशीनरी आदि), VAT-फ्री बिजली/गैस/पानी, डिविडेंड टैक्स छूट और अन्य फिस्कल इंसेंटिव्स मिलते हैं। यह भारतीय फर्मों को बांग्लादेश में कम लागत पर ऑटोमो-बाइल, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और अन्य सेक्टरों में उत्पादन करने की अनुमति देता है।

"दूसरी ओर चीन ने बीते साल बांग्लादेश को 20 जे-10सीई फाइटर जेट देने की डील भी की थी। ये सप्लाई भी इस साल के अंत से शुरु हो जाएगी। चीन ने बांग्लादेश को पेमेंट में भी बड़ी मोहलत दी है।

मेरे कहने पर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला रोका : ट्रम्प

सर्दी में मैंने कीव पर गोलीबारी न करने को कहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में गुरुवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मेरे कहने पर एक हफ्ते के लिए यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमला रोक दिया है।

उन्होंने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति पुतिन से इस असाधारण ठंड के दौरान कीव और अन्य शहरों पर गोलीबारी न करने को कहा है। ट्रम्प ने आगे कहा कि पुतिन इस पर सहमत हो गए हैं। हालांकि रूस की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। राष्ट्रपति ट्रम्प अपने कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर मीडिया से बात कर रहे थे।

अमेरिका ऊर्जा उत्पादन में सबको पीछे छोड़ रहा है। चीन बहुत ज्यादा ऊर्जा बनाता है, लेकिन अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में

चीन से आगे है।

यूरोप हर जगह विंडमिल लगाकर अपने खूबसूरत इलाकों को खराब कर रहा है। यूरोप को देर होने से पहले समझदारी दिखानी होगी।

सभी बंधकों को वापस लाने में हमास की बड़ी भूमिका रही। आखिरी बंधकों को वापस लाना सबसे मुश्किल था। कुल मिलाकर आखिरी 20 बंधक वापस लाए गए।

अमेरिका अब जापान से ज्यादा स्टील बना रहा है। करीब 26–27 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है। कुछ साल पहले अमेरिका में स्टील कंपनियां बंद हो रही थीं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96